तापमान
अधिकतम 32.0 डिग्री
न्यूनतम 18.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 15 मार्च 2026

जिला नागरिक अस्पताल में अब मरीज करवा सकेंगे 8

83 बिजली चोरों पर साढ़े 13 लाख जुर्माना ठोका 8

ड्राइवर की लापरवाही पड़ जाती भारी, बाल-बाल बची 50 से अधिक सवारियां

पहले डिवाइडर, फिर लोडिंग गाड़ी से भिड़ी बस, मची चीख पुकार

बड़ौदा गांव के पास हादसा, सड़क से 20 मीटर नीचे उतरी बस, कई गंभीर

चिकित्सकों ने बस चालक की हालत गंभीर देखकर रोहतक पीजीआईएमएस किया रेफर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

उचाना के बड़ौदा गांव के पास शनिवार को टोहाना से जयपुर रूट पर चलने वाली किलोमीटर स्कीम की बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस में 50 से ज्यादा सवारियां मौजूद थी। घटना की सूचना मिलने पर आसपास के लोग तथा पुलिस मौके पर पहुंचे और घायलों को नरवाना तथा जींद के नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रोडवेज की किलोमीटर स्कीम बस उचाना से जींद की तरफ आ रही थी। बड़ौदा गांव के पास पहुंचते ही बस डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर पर टकराने के कारण बस का संतुलन बिगड़ गया और साइड में खड़ी लोडिंग गाड़ी में जा टकराई। जिससे लोडिंग गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और गाड़ी कई हिस्सों में बिखर गई। हादसा इतना भयंकर था कि बस सड़क से उतर कर करीब 20 मीटर अंदर तक चली गई। हादसे में बस चालक गांव थुआ निवासी संदीप कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए नागरिक अस्पताल जींद ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर देख पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया। वहीं बस में मौजूद अन्य सवारियों को उपचार के लिए जींद, नरवाना व उचाना अस्पतालों में भर्ती करवाया गया है। जींद अस्पताल में गांव करसिंधू निवासी मानसी, गांव कापडो निवासी अंकित, गांव खरल निवासी कमल, गांव डूमरखां निवासी अंग्रेजन, प्रयागराज निवासी विजय, हरीनगर नरवाना निवासी नीलम, गांव सुरजाखेड़ा निवासी नवीन कुमार उपचाराधीन है। बस में मौजूद महिला सवारी प्रवीण डूमरखां ने बताया कि बस की स्पीड बहुत ज्यादा थी और ड्राइवर का ध्यान फोन पर चल रही वीडियो कॉल पर था। महिला ने बताया कि लोडिंग गाड़ी वाला साइड में गाड़ी खड़ी कर शौच के लिए गया हुआ था। बस स्पीड में थी और बस वाले वीडियो कॉल पर बात कर रहा था। अचानक से ध्यान और संतुलन बिगडऩे के कारण बस पहले डिवाइडर से टकराई। जिसके बाद उसका संतुलन ओर बिगड़ गया और रो के साइड में खड़े लोडिंग गाड़ी में बस जा टकराई। बस में बहुत ज्यादा सवारियां थी। बहुत सी सवारी बस में खड़ी हुई थी। लोडिंग गाड़ी चालक उचाना निवासी पंकज ने बताया कि वह अपनी गाड़ी का काम करवाने के लिए जींद जा रहा था। रास्ते में शौच के लिए रुका था। अचानक से पीछे से आई तेज स्पीड बस ने उसकी गाड़ी में टक्कर मार दी। वह गाड़ी से नीचे था, इसलिए बच गया। कई सवारियों को बहुत ज्यादा चोट आई हैं और कई सवारी की हल्की चोटें हैं। बस में 50 से ज्यादा सवारियां बस में मौजूद थी। बस गाड़ी में टकराते ही उन्होंने देखा तो पहले 112 पर फोन किया इसके बाद तुरंत पुलिस मौके पर पहुंच गई।

प्राथमिक उपचार दिया

नागरिक अस्पताल उचाना के चिकित्सा अधिकारी सुशील गर्ग ने बताया कि हादसे की जैसे ही सूचना मिली तो मरीजों का तुरंत उपचार शुरू किया गया। 24 मरीज उचाना के अस्पताल में पहुंचे हैं, जिनमें से छह की हालत गंभीर थी। जिन्हें यहां से रेफर किया गया। 18 मरीज को हल्की चोटें हैं। जिनको यहां प्राथमिक उपचार दिया गया है। बस ड्राइवर को को फ्रैक्चर था। जिसे जींद अस्पताल ले जाया गया है।

खबर संक्षेप

गांजा सप्लायर आठ दिन के रिमांड पर

जींद। गढ़ी थाना पुलिस ने गांजा सप्लायर को अदालत से प्रोटेक्शन वांरट पर लेकर आठ दिन के रिमांड पर लिया है। पुलिस आरोपित से नशे के नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। थाना गढ़ी के प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि हुए बताया कि 11 जून 2025 को सीआईए स्टाफ नरवाना ने गांव धमतान साहिब की अनाज मंडी में नशा तस्कर में गांव धमतान साहिब निवासी सुनीता से कुल 48 किलो 350 ग्राम गांजा बरामद किया था।

बाइक सवार युवक पर किया डंडों से हमला

कैथल। कलायत के गांव मटौर में देर रात बाइक सवार युवक पर 3 युवकों ने डंडों से हमला कर दिया है। घायल युवक को पहले कलायत के सरकारी अस्पताल में दाखिल कराया। जहां से डॉक्टरों ने उसे सिविल अस्पताल कैथल रेफर कर दिया। कलायत पुलिस ने शिकायत के आधार पर 3 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दोस्त की हत्या का आरोपित गिरफ्तार

जींद। सदर थाना नरवान पुलिस ने हत्या के मामले में दो साल से फरार चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव ढाणा कनीनी निवासी महेन्द्र ने 12 मई 2024 को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसका बेटा हरीश उसके दोस्त विकास के भाई की शादी में गांव झील आया हुआ था। जहां से वह अचानक गायब हो गया। बाद में हरीश का शव हिसार नहर से बरामद हुआ था। मृतक के पिता ने आरोप लगाया था कि हरीश की हत्या उसके दोस्त विकास तथा अन्य लोगों ने मिल कर की है।

घर से कॉलेज गई 20 साल की युवती लापता

कैथल। चीका थाना क्षेत्र के गांव से घर से कॉलेज गई 20 साल की युवती लापता हो गई। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसकी कोई जानकारी नहीं मिल पाई। मामले में चीका थाना पुलिस ने केस दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के चाचा ने बताया कि 13 मार्च सुबह उसकी भतीजी कहकर गई थी कि कॉलेज में बीए की पढ़ाई करने जा रही है। इसके बाद वह कॉलेज नहीं पहुंची और शाम तक घर भी नहीं लौटी।

नौकरी लगवाने को झांसा देकर चार लाख रुपये हड़पे

जींद। सरकारी नौकरी लगवाने को झांसा देकर चार लाख रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। नौकरी न लगने पर जब राशि वापस मांगी तो आरोपित ने राशि लौटाने से मना कर दिया और बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। उचाना थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एक व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

शिवानिया स्कूल की पूर्व छात्रा बनी असिस्टेंट प्रोफेसर

उचाना। शिवानिया पब्लिक स्कूल उचाना मंडी की पूर्व छात्र ईशु कंदौला पुत्री शमशेर कंदौला का चयन असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर हुआ। प्रधानाचार्या प्रोमिला मालिक ने बताया कि ईशु बचपन से ही विद्यालय की होनहार छात्रा रही है। ईशु ने गवर्नमेंट कॉलेज अंबाला में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर पदभार ग्रहण किया। विद्यालय संरक्षक नफे सिंह, प्रधानाचार्या प्रोमिला सहित समस्त स्टाफ ने ईशु को सफलता पर बधाई दी।

घर का ताला तोड़कर आभूषण चोरी, केस

जींद। खरकगागर में मकान का ताला तोड़ कर के जेवरात चोरी करने पर पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सतीश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने उसके मकान का ताला तोड़ कर सोने व चांदी के जेवरातों को चोरी कर लिया है।

यूरोप भेजने का झांसा देकर 14.70 लाख हड़पे

■ छह माह तक दुबई में बंधक बना रखने का आरोप

जींद। यूरोप भेजने का झांसा देकर 14 लाख 70 हजार रुपये हड़पने तथा दुबई में बंधक बनाने पर गढ़ी थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर पांच लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव ढाबी टेक सिंह निवासी अनिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव गुलाडी निवासी राममेहर के साथ दोस्ती रही है। राममेहर ने उसे पटियाला निवासी अभिनव बंसल से मिलवाया। राममेहर ने उसे बताया कि अभिनव बंसल युवकों को विदेश भेजता है। अभिनव ने कहा कि उसे वह यूरोप भेज देगा। पहले उसे दुबई जाना होगा। जिसके लिए उसे साढ़े तीन लाख रुपये देने होंगे। जिस पर उसे साढ़े तीन लाख रुपये आरोपित को दे दिए। सात मार्च 2023 को उसे दुबई भेजा गया। वहां जाने पर पता चला कि सोनीपत निवासी कृष्ण तथा जिरकपुर निवासी इकबाल ने अपनी कंपनी बनाई हुई है। आरोपित ने उससे अलग-अलग तारिखों में 11 लाख 20 हजार रुपये ले लिए। जो भारतीय खाते से निकाल कर दिए। अभिनव के खाते में साढ़े आठ लाख तथा गुलाडी निवासी विरेंद्र के खाते में छह लाख 20 हजार रुपये भेज गए। इस प्रकार से आरोपितों ने उस से 14 लाख 70 हजार रुपये ले लिए। आरोपितों ने उसे कंपनी में लगा कर छह महीने तक बंधक बना कर रखा।

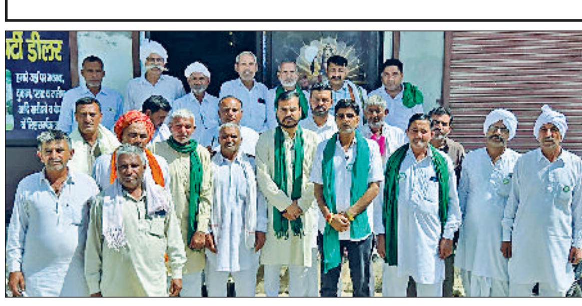

कैथल। बैठक में नारेबाजी कर रोष जताते किसान। फोटो :हरिभूमि

मांगों को लेकर भाकियू ने जताया रोष

कैथल। कैथल में किसान यूनियन के दफ्तर में भारतीय किसान यूनियन एकता सिद्धूपुर की जिला कार्यकारिणी की बैठक जिला अध्यक्ष शमशेर कुंडू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मुख्य तौर पर प्रदेश संयोजक होशियार सिंह गिल, प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु कोहाड़, प्रदेश सलाहकार जसविंदर ढुल, प्रदेश उपाध्यक्ष भाना राम सेगा,परदेश उपाध्यक्ष शेरा बेनीवाल, संदीप जाटान, वकील कमालपुर, दीपक मलिक, सुखदेव सिंह, प्रेम हरसौला, लीला तितरम, सुरेंदर भंगू, रामेश्वर आजाद, रमेश खरेटा, गुरुदेव सिसला, बीरा कुंडू, जसबीर नायडू आदि उपस्थित रहे। प्रदेश संयोजक होशियार सिंह गिल ने कहा कि एमएसपी गारंटी कानून बनवाने, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से खेती, डेयरी एवम पोल्ट्री सेक्टरों को बाहर रखने समेत 8 मांगों पर दिल्ली के रामलीला मैदान में 19 मार्च को आयोजित किसान पंचायत में जिले के किसान बड़ी संख्या में भाग लेंगे। कहा कि अमेरिका के फैंसले भारत के ऊपर जबरदस्ती थोपने का प्रयास किया जा रहा है जिसे भारत कतई बर्दाश्त नहीं करेगा।

नंदू गैंग से जुड़े तीन सदस्य अवैध हथियारों सहित दबोचे

■ 2 देसी पिस्तौल, 4 मैगजीन व 15 कारतूस बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए नंदू गैंग से जुड़े तीन सक्रिय सदस्यों को अवैध हथियारों व जिंदा कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 2 देसी पिस्तौल, 4 मैगजीन व 15 कारतूस बरामद हुए। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की अगुवाई में एचसी हरीश कुमार की टीम क्षेत्र में गश्त व अपराधियों की धरपकड़ के लिए निकली हुई थी। इसी दौरान शाम के समय गांव मुंदड़ी के पास नहर पुल पर टीम को सहयोगी सूत्रों से एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि पुंडरी से फरल रोड पर सिरसा ब्रांच नहर पुल के पास तीन युवक एक मोटरसाइकिल के साथ संदिग्ध अवस्था में खड़े हैं। सूचना के अनुसार तीनों युवक नजफगढ़ निवासी कुख्यात गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू की गैंग से जुड़े हुए हैं और उसके इशारे पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। पुलिस वाहन को आते देख तीनों युवक भागने लगे, लेकिन सतर्क पुलिस टीम ने उन्हें काबू कर लिया। पकड़े गए युवकों की पहचान गांव नैना निवासी करण उर्फ अंकुश व सौरभ उर्फ बाबा तथा गांव जलमाणा जिला करनाल निवासी सुमित उर्फ सिमी के रूप में हुई है।

कैथल। स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट पुलिस गिरफ्त में तीनो आरोपी।

आपराधिक गतिविधियों में शामिल

जांच के दौरान आरोपी करण के कब्जे से एक देशी पिस्तौल .32 बोर व 6 जिंदा कारतूस, आरोपी सौरभ के कब्जे से एक देशी पिस्तौल .32 बोर व 5 जिंदा कारतूस तथा आरोपी सुमित के कब्जे से दो मैगजीन व 4 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इसके अलावा आरोपियों के पास से तीन फोन और एक बाइक भी बरामद की गई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे गैंग लीडर कपिल सांगवान उर्फ नंदू व उसके सहयोगी साहिल के कहने पर गैंग के अन्य सदस्यों से हथियार लेकर वारदात के बाद उन्हें आगे पहुंचाने का काम करते हैं। प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया की नंदू गैंग दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान व पंजाब में फिरौती, सुपारी किलिंग, जमीन कब्जे व अवैध हथियार सप्लाई जैसी संगठित आपराधिक गतिविधियों में शामिल रही है।

नपा अध्यक्ष ने सीसी सड़क निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

सीवन। नपा अध्यक्षा हेमलता सैनी ने शनिवार को कैथल-पटियाला मुख्य मार्ग से डीएवी स्कूल तक बनने वाली सीसी सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ी इस सड़क के निर्माण की मांग क्षेत्र के लोगों द्वारा लगातार उठाई जा रही थी। अब नगर पालिका द्वारा इस सड़क के निर्माण कार्य शुरू होने से स्थानीय निवासियों में खुशी का माहौल है। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्षा हेमलता सैनी ने कहा कि नगर के विकास को लेकर पालिका पूरी तरह प्रतिबद्ध है और लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कैथल-पटियाला मुख्य मार्ग से डीएवी स्कूल तक बनने वाली लगभग 500 फुट लम्बी इस सड़क पर लगभग 8 लाख रुपये की लागत आएगी।

बुढलाडा में होगा बठिंडा सुपरफास्ट ट्रेन का ठहराव

■ गाड़ी के ठहराव से जींद के श्रद्धालु को होगा लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

बुढलाडा में ट्रेन नंबर 20409-10 बठिंडा सुपरफास्ट ट्रेन का 20 से लेकर 28 मार्च तक विशेष ठहराव होगा। इससे जींद के यात्रियों को भी लाभ होगा। यहां गुरुद्वारा ब्रह्म बुंगा साहिब में समागम का कार्यक्रम होगा। इसमें नाम सिमरन, कीर्तन व अमृत संचार जैसी धार्मिक कार्यक्रम होंगे। यहां दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंचते हैं। रेलवे ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बठिंडा सुपरफास्ट ट्रेन का आठ दिन तक अस्थायी ठहराव करने का निर्णय लिया है। ट्रेन नंबर 20409 10 बजकर 59 मिनट पर बुढलाडा पहुंच कर यहां दो मिनट के ठहराव के बाद बठिंडा के लिए चलेगी। जो वहां दोपहर बाद 12 बजकर 35 मिनट पर पहुंचेगी। वहीं ट्रेन नंबर 20410 वापसी में बठिंडा से तीन बज कर 55 मिनट पर चलेगी। जो चार बजकर 44 मिनट पर बुढलाडा पहुंचेगी। यहां दो मिनट ठहराव के बाद ट्रेन आगे दिल्ली की ओर जाएगी। आमतौर पर ट्रेन नंबर 20409 सुबह सात बजकर 50 मिनट पर दिल्ली से चलती है जो शकूबरस्तीए बहादुरगढ़ए रोहतक के रास्ते जींद सुबह दस बजकर 14 मिनट पर पहुचंती है। यहां दो मिनट के ठहराव के बाद ट्रेन नरवाना, जाखल, मानसा के रास्ते बठिंडा पहुंचती है। वहीं ट्रेन नंबर 20410 आमतौर पर तीन बज कर 55 मिनट पर बठिंडा से चलती है जो नरवाना, जींद, रोहतक, बहादुरगढ़ के रास्ते रात लगभग नौ बजे दिल्ली पहुंचती है। बुढलाडा में धार्मिक समागम के चलते रेलवे ने बुढलाडा में दो मिनट का ठहराव करने का निर्णय लिया है।

बुढलाडा में अस्थायी तौर पर दो मिनट का ठहराव

जींद रेलवे जंक्शन अधीक्षक जेएस कुंडू ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने बठिंडा सुपरफास्ट ट्रेन का बुढलाडा में अस्थायी तौर पर दो मिनट का ठहराव करने का निर्णय लिया है। इससे श्रद्धालु समागम में पहुंच सकेंगे। ठहराव 20 से लेकर 28 मार्च तक रहेगा। ऐसे में यात्रियों को फायदा होगा। रेलवे का प्रयास है कि यात्रियों को बेहतर सुविधा दी जा सके।

शराब कारोबार में पार्टनर बनाने का झांसा देकर हड़पे 80 लाख

■ रुपये मांगने पर आत्महत्या करने की धमकी देने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शराब कारोबार में पार्टनर बनाने का झांसा दे 80 लाख रुपये हड़पने तथा फर्जी कागजात बनवाने पर शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव शाहपुर निवासी विरेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका अनाज मंडी में आढ़त की दुकान है। सैक्टर आठ निवासी सुभाष से उसकी पुरानी जान पहचान रही है। जनवरी 2021 में सुभाष उसके पास आया और कहा कि एल वन शराब के टेंडर निकले हुए हैं। दोनों पार्टनरशिप में एल वन ले लेंगे। जिसमें आपको एक करोड़ रुपये निवेश करना होगा। जिस पर उसने मना भी किया लेकिन वह बार-बार उसके पास आता रहा। जिसके बाद सुभाष, उसका बेटा सौरभ तथा उसकी पत्नी उसकी दुकान पर आए। तीनों ने उसे विश्वास में ले लिया। फिर लाइसेंस फीस भरने, स्टॉक लेने की बात कही और ऐसा न करने पर प्लेंटी का भय दिखाया। जिस पर उसने 80 लाख रुपये आरोपितों को कैश दे दिया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दी भगवान विश्वकर्मा पुस्तकालय के लिए 133.48 लाख की बड़ी सौगात

कलायत के युवाओं को मिलेगी हाईटेक लाइब्रेरी की सुविधा

■ भगवान विश्वकर्मा संगठन की मांग को सरकार ने मूर्त रूप देने के लिए खोला खजाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत के प्राचीन कपिल मुनि सरोवर तट पर स्थित भगवान विश्वकर्मा वाटिका के आंगन में अब युवाओं को दिल्ली व चंडीगढ़ की तर्ज पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त भगवान विश्वकर्मा लाइब्रेरी के माध्यम से पढऩे आगे बढऩे का मौका मिलेगा। प्रदेश में यह पुस्तकालय अपनी तरह का खास अध्ययन केंद्र होगा। हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पुस्तकालय निर्माण के लिए 133.48 लाख रुपये की ग्रांट मंजूर की है। जिससे शहर के विद्यार्थियों और युवाओं को आधुनिक अध्ययन सुविधाएं मिलेंगी। विश्वकर्मा युवा संगठन अध्यक्ष एवं पार्षद प्रीत जगदेव ने बताया कि इस योजना का प्रारूप वर्ष 2024 में पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा, तत्कालीन नगर पालिका कार्यकारिणी और विश्वकर्मा संगठन के आग्रह पर तैयार किया गया था। योजना के तहत बनने वाली यह लाइब्रेरी दिव्य नगर योजना के अंतर्गत विकसित की जाएगी। हाईटेक सुविधाओं से लैस यह लाइब्रेरी न केवल कलायत बल्कि पूरे जिले में अपनी अलग पहचान बनाएगी। शहर के युवाओं में इस परियोजना को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। अभी तक प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च शिक्षा की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बड़े शहरों या महानगरों का रुख करना पड़ता था। सीएम ने युवाओं की इस परेशानी को समाप्त करने का निर्णय लिया है। नगर पालिका जेई अब्दुल वहाब ने बताया कि सरकार की नीति के अनुसार सचिव के मार्गदर्शन में दिव्य नगर योजना के तहत विकास कार्यों का विस्तृत प्रारूप तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजा गया था। अब सरकार ने इस योजना के बजट को मंजूरी दे दी है।

विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण अध्ययन केंद्र

भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत ने बताया कि जिन विकास कार्यों का स्वरूप पिछली नगर पालिका कार्यकारिणी द्वारा तैयार किया गया था उन पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मुहर लगाकर शहर को बड़ी सौगात दी है। उन्होंने इसके लिए सांसद नवीन जिंदल, पूर्व राज्य मंत्री कमलेश ढांडा, नपा जनप्रतिनिधियों, शहरवासियों और भाजपा पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह लाइब्रेरी कलायत के शैक्षणिक वातावरण को नई दिशा देगी। इसके साथ ही पुस्तकालय शहर विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अध्ययन केंद्र होगा।

फायरिंग कर जानलेवा हमला के आरोपित तीन दिन के रिमांड पर

■ आरोपितों के कब्जे से तीन पिस्तौल-दो जिंदा कारतूस बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीआईए स्टाफ ने गांव बडौदा में युवक पर फायर कर जानलेवा करने के दो आरोपितों को काबू कर तीन पिस्तौल तथा दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से वारदात में प्रयोग की गई गाड़ी को भी बरामद किया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। सीआइए थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि गत सात मार्च को गांव बड़ौदा में फ्लाईओवर के नीचे गांव बडौदा निवासी जगदीप उर्फ काजु पर कार सवार युवकों ने फायर किया था। निशाना चूक जाने के कारण छर्रे लगने से जगदीप घायल हो गया था। उचाना थाना पुलिस ने घायल जगदीप की शिकायत पर गांव बडौदा निवासी राहुल समेत चार के खिलाफ जानलेवा हमला करने, शस्त्र अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। सीआईए स्टाफ को सूचना मिली थी कि जगदीप पर जानलेवा हमला करने के आरोपित गांव कहसून की तरफ से कार में सवार हो कर आ रहे हैं।

खबर संक्षेप

20वां गुरुकुलोत्सव समारोह आज

जींद। श्री लज्जा राम बशेसर दास गुरुकुल विद्यापीठ में 15 मार्च को 20वां गुरुकुलोत्सव समारोह आयोजित होगा। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित जनप्रतिनिधि, मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद लोकसभा सोनीपत सतपाल ब्रह्मचारी, हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष कृष्ण लाल मिड्ढा, महंत राजेश स्वरूप महाराज तथा डा. कांता शर्मा सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे।

जमीन निशान देही के दौरान हवाई फायर

जींद। गांव ढाठरथ में जमीन की निशानदेही के दौरान गोली चलने से हडकंप मच गया। घटना के बाद आरोपित बाइक से फरार हो गया। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव ढाठरथ निवासी शीशपाल अपनी जमीन की निशानदेही करवा रहा था। उसी दौरान गांव का अमन बाइक पर पहुंचा और मौजूद असलहा से हवाई फायर कर दिया। गोली चलने की आवाज से हड़कंप मच गया। घटना की सूचना पाकर जब तक पुलिस मौके पर पहुंचती तब तक आरोपित फरार हो चुका था।

हकृवि में कृषि मेला 23 व 24 मार्च को हिसार में

जींद। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि में किसानों को खरीफ फसलों की उन्नत तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से 23 व 24 मार्च को दो दिवसीय कृषि मेला खरीफ का आयोजन किया जाएगा। मेले में प्रदेशभर के किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, कृषि उद्यमियों, विभिन्न विभागों और संस्थाओं की भागीदारी रहेगी। कुलपति प्रो॰ बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि मेले का उद्देश्य किसानों को खरीफ फसलों की नवीनतम किस्मों, उन्नत कृषि तकनीकों, तथा कृषि यंत्रीकरण से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराना है।

रुपगढ़ में बेटी बचाओ पढ़ाओ की दिलाई शपथ

जींद। उपस्वास्थ्य केंद्र रुपगढ़ में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों व युवाओं को बेटियों के महत्व तथा लिंगानुपात संतुलन बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कार्यकत्रा देवीराम कौशिक, मूर्ति देवी व मुकेश रानी ने बताया कि बेटियां समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उन्हें शिक्षा व समान अवसर देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

सदभाव यात्रा से कांग्रेस को मिल रही है मजबूती

उचाना। कांग्रेस नेता रामकुमार घोघड़िया ने कहा कि बांगर से सदभाव यात्रा पर निकले पूर्व सांसद एवं कांग्रेस नेता बृजेंद्र सिंह की सदभाव यात्रा को हर हलके में जोरदार जन समर्थन मिल रहा है। अब तक 60 हलकों से अधिक में यात्रा पहुंच चुकी है। राहुल गांधी से बृजेंद्र सिंह ने मुलाकात कर यात्रा में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया है। जल्द यात्रा में राहुल गांधी शामिल होंगे। ये यात्रा प्रदेश के इतिहास की पहली ऐसी यात्रा है जो सदभाव का संदेश देने के लिए निकाली जा रही है।

विकसित उचाना का सपना होगा अब पूरा : सुषमा अत्री

उचाना। भाजपा नेत्री सुषमा अत्री ने कहा कि उचाना में विकास की रफ्तार निरंतर बढ़ रही है। जो-जो वायदे चुनाव में किए थे उन वायदों को पूरा किया जा रहा है। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की अगुवाई में उचाना विकसित बनेगा। पहले उचाना हलके से राजनीति करने वालों की सोच जनहितैषी नहीं थी। उचाना हलके में विकास के नाम पर कुछ नहीं हुआ। बातें तो बहुत की लेकिन काम नहीं उचाना में हुआ। नाम बड़े जरूर थे लेकिन काम हलके में नजर नहीं आया।

भंभेवा में पहुंचा सीपीएम का जन आक्रोश जत्था

जींद। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी द्वारा आगामी 24 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर की जन आक्रोश रैली के समर्थन में निकला जत्था शनिवार को भम्भेवा और निडाना पहुंचा। जत्थे का नेतृत्व सीपीएम राज्य सचिवमंडल सदस्य जयभगवान, सविता, सुमित दलाल ने किया।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने करवाई दोनों मशीन ठीक

जिला नागरिक अस्पताल में अब मरीज करवा सकेंगे एक्सरे

मशीनें खराब होने से मरीजों और तिमारदारों को हो रही थी परेशानी

अस्पताल में प्रतिदिन 1500 से 1600 से बीच ओपीडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। एक्सरे करवाने के लिए इंतजार करते हुए मरीज व तिमारदार। फोटो :हरिभूमि

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में एक्सरे मशीनों के खराब होने से मरीजों व तिमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मशीनों के खराब होने का मामला स्वास्थ्य अधिकारियों के संज्ञान में लाया और तुरंत प्रभाव से इंजीनियर को बुला कर दोनों मशीनों को ठीक करवाया गया। जिसके चलते मरीजों व तिमारदारों ने राहत की सांस ली है। मरीजों का कहना है कि हर सप्ताह एक्सरे मशीनें खराब हो जाती हैं और उन्हें एक्सरे के लिए बाहर का रास्ता दिखा जाता है। स्वास्थ्य प्रशासन को समस्या पर गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए। अस्पताल में प्रतिदिन 1500 से 1600 से बीच ओपीडी होती है। इनमें लड़ाई झगड़े, सड़क दुर्घटनाओं व अन्य मरीजों की जांच के प्रतिदिन लगभग 180 एक्सरे होते है। हर सप्ताह कोई न कोई मशीन खराब हो जाती है। शुक्रवार को दोनों एक्सरे मशीनें खराब हो गई। जिसके चलते लोगों को एक्सरे के लिए बाहर का रास्ता दिखाया गया। वहीं नागरिक अस्पताल के नए भवन में एक्सरे रूम का रेनोवेशन कार्य चला हुआ है। जिसके चलते मशीन को टीबी वार्ड के पास शिफ्ट किया गया है। जहां मरीज को लाने व ले जाने में परेशानी होती है। एक मशीन टीबी वार्ड में भी है। जब दूसरी मशीन खराब होती है तो यहां मरीजों को एक्सरे के लिए भेजा जाता है। जिससे संक्रमण फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है। क्योंकि यहां टीबी रोगियों की जांच होती है और उन्हें दवा भी दी जाती है। ऐसे में एक्सरे करवाने आने वाले मरीजों को यहां इंतजार भी करना पड़ता है। जिसके चलते मरीज मजबूरीवश यहां एक्सरे करवा रहे हैं। सीटी स्कैन सेंटर के सामने एक्सरे रूम में कक्ष का निर्माण मानकों के आधार पर करवाया जा रहा है। एक्सरे कक्ष में लीड लाइन दीवारें और लीड डोर बनवाया जा रहा है। जबतक कार्य पूरा नही होता तब तक नई बिल्डिंग में एक्सरे की सेवा शुरू नही हो सकती है। जिस हिसाब से रेनोवेशन कार्य हो रहा है, उस हिसाब से एक सप्ताह तक भी निर्माण कार्य पूरा होने के आसार नही हैं। मरीजों की मांग है कि एक्सरे रूम रेनोवेशन का कार्य जल्द पूरा करवाया जाए। पिछले डेढ़ माह से रेनोवेशन कार्य चला हुआ है।

एक्सरे मशीन को करवाया ठीक

पीएमओ डा. रघूवीर पूनिया ने कहा कि दोनों एक्सरे मशीनों को ठीक करवा दिया गया है। वहीं एक्सरे कक्ष का निर्माण स्वास्थ्य विभाग के तय मानकों के आधार पर करवाया जा रहा है। एक्सरे कक्ष में लीड लाइन दीवारें और लीड डोर बनाया गया है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को जल्द से जल्द काम पूरा करवाने के लिए कहा है ताकि जल्द ही यहां एक्सरे की सुविधा शुरू की जा सके।

नियमित करवाएं नेत्र जांच : डॉ. गितांशु

■ नागरिक अस्पताल में विश्व गलूकोमा दिवस को लेकर कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में शनिवार को सीएमओ डा. सुमन कोहली के नेतृत्व में विश्व ग्लूकोमा दिवस को लेकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला व आई सर्जन डा. गितांशु ने लोगों को अपनी आंखों की नियमित जांच करवाने के लिए प्रेरित किया। विशेषज्ञों ने बताया कि ग्लूकोमा से अगर हमें बचना है तो 40 वर्ष की आयु के बाद नियमित अंतराल पर नेत्र जांच अवश्य करवाएं। डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि आप्टिक तंत्रिका की जांच और इंट्राओक्युलर प्रेशर का मापन ग्लूकोमा की शुरुआती पहचान में मदद करता है। समय पर निदान और उपचार से रोग के बढने की गति को धीमा किया जा सकता है और लोगों की दृष्टि सुरक्षित रखी जा सकती है। इस वर्ष का विषय ग्लूकोमा मुक्त विश्व के लिए एकजुट होना है। जिसका उद्देश्य दुनियाभर के लोगों को ग्लूकोमा से होने वाली अंधता के खिलाफ एकजुट होकर लडने के लिए प्रेरित करना है। आई सर्जन डा. गितांशु ने बताया कि ग्लूकोमा जिसे आम भाषा में काला मोतिया कहते हैं आंखों की एक गंभीर बीमारी है। जिसमें आंख के अंदर दबाव बढने से ऑप्टिक नर्व (जो आंख से दिमाग को संदेश भेजती है) को नुकसान पहुंचता है। यह अंधेपन का दूसरा प्रमुख कारण है। इसके लक्षण धीरे-धीरे सामने आते हैं। इसलिए इसे दृष्टि का खामोश चोर भी कहते हैं। जिसका समय पर इलाज न होने से स्थायी दृष्टि हानि हो सकती है। इसके अलावा आंख का प्रेशर बढ़ता है और पीछे की नस सूख जाती है।

जींद। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित किया

जींद। डीएन मॉडल स्कूल में शनिवार को वार्षिक परिणाम घोषित किए गए। इस अवसर पर विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी कक्षाओं में शानदार परिणाम प्राप्त किए। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विद्यार्थियों को उनकी मेहनत और उपलब्धियों के लिए बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक कक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आकर्षक उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही मेरिट सूची में स्थान बनाने वाले विद्यार्थियों को भी विशेष पुरस्कार देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर कुल 524 विद्यार्थियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए एक विशेष सेल्फी प्वायंट भी बनाया गया था।

विद्या विहार स्कूल में पेरेंटिंग सेमिनार

जींद। राजपुरा भैण स्थित विद्या विहार सीसे स्कूल में बदलते समय और आधुनिक जीवनशैली के दौर में बच्चों के पालन पोषण से जुड़ी चुनौतियों को ध्यान में रखते पेरेंटिंग सेमिनार का आयोजन किया गया। मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान ने अभिभावकों को बच्चों के संतुलित और सकारात्मक पालन पोषण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। सेमिनार का उद्देश्य माता-पिता को यह समझाना था कि बच्चों की परवरिश केवल शिक्षा तक सीमित नहीं होती बल्कि उनके भावनात्मक, मानसिक और सामाजिक विकास पर भी उतना ही ध्यान देना आवश्यक है। निदेशक दलशेर लोहान, प्राचार्य बलदेव पांचाल, शिक्षकगण, अभिभावक और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सभी ने पहल की सराहना करते कहा कि आज के समय में इस प्रकार के पेरेंटिंग सेमिनार समाज के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

चोरी की वारदात में शामिल आरोपी पकड़ा

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना ने फैक्टरी से सामान चोरी करने के दो आरोपित तथा परचेजर को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरीशुदा सामान बरामद किया है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ नरवाना प्रभारी सुखदेव सिंह ने बताया कि गत दो नवंबर को माडल टाउन निवासी वैभव ने थाना शहर नरवाना में शिकायत देकर बताया था कि उसकी रेस्ट हाउस के पास स्थित उसकी इस्पात फैक्टरी से चोरों ने कॉपर की केबल, विंडो इन्वर्टर, दो बैटरी, दो बैटरी जनरेटर, एक लैपटॉप, बाथरूम की टूंटियां समेत अन्य सामान को चोरी कर लिया। जिस पर शहर थाना पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच का आगे बढ़ाया तो नरवाना निवासी संजय उर्फ गोलू व सागर का नाम सामने आया। पुलिस ने दोनों आरोपितो को गिरफ्तार कर पूछताछ की।

जींद। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो :हरिभूमि

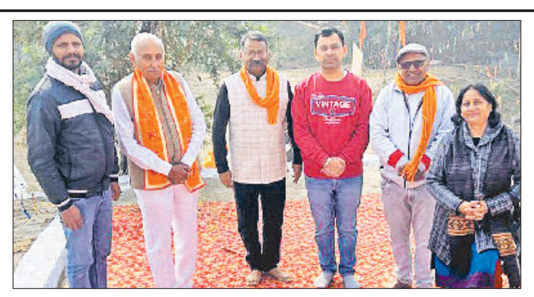

जींद। बैठक में मौजूद विहिप पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

नवरात्रे में मांस की दुकानें बंद करवाने की मांग

जींद। विश्व हिंदू परिषद् की बैठक शनिवार को प्रांत उपाध्यक्ष राधेश्याम चिलाना की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में नवरात्र के दौरान मांस की दुकानों को बंद करवाने के लिए डीसी से मिल कर ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया। वहीं विहिप कार्यकर्ता नॉन वैज की दुकानें चलाने वाले दुकानदारों से मिल कर नवरात्र के दौरान दुकानें बंद रखने का निवेदन करेंगे। उन्होंने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रथमा हिंदू नववर्ष प्रतिपदा तद्नानुसार 19 मार्च को जिलाभर में मनाया जाएगा। इसी दिन से मां के पावन नवरात्रे प्रारंभ हो रहे हैं। विहिप कार्यकर्ता उपायुक्त से मिलकर ज्ञापन देंगे कि प्रशासन शहर में 19 मार्च से 27 मार्च तक मां के पावन नवरात्रों में मांस की दुकानों को बंद रखना सुनिश्चित करने की बात कहेंगे। उन्होंने कहा कि नवरात्र हिंदू समाज का एक विशेष पर्व होता है।

नवरात्र को लेकर मंदिर को सजाया

उचाना। 19 मार्च से चैत्र नवरात्र प्रारंभ होंगे। नवरात्र से पहले देवभूमि बनभौरी स्थित माता भ्रामरी शक्तिपीठ में तैयारियां जोरों पर है। मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। माता के भवन के अंदर विशेष, माता की प्रतिमा के आस-पास के एरिया को भव्य रूप से सजाया जाएगा। सजावट करने के लिए काम तेजी से शुरू हो चुका है। मंदिर पुजारी श्याम लाल कौशिक ने कहा कि साल में दो बार नवरात्र आते है। नवरात्र में की गई पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। चैत्र नवरात्र को लेकर मंदिर को सजाया जा रहा है। माता के श्रद्धालु एक दिन विशेष न मानकर हर रोज दर्शन करने मंदिर आए। श्रद्धालु छठ के दिन दर्शन करने अधिक आते है। हर दिन माता की पूजा-अर्चना करने का महत्व है। उन्होंने कहा कि मेले में हरियाणा ही नहीं बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु आते है।

माता भ्रामरी शक्तिपीठ पर चल रही नवरात्र को लेकर सजावट की तैयारी।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस पर व्याख्यान

जींद। हिंदू कन्या कालेज में अंतरराष्ट्रीय गणित दिवस (पाई दिवस) मनाने के लिए गणित विभाग द्वारा एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसका विषय मूल्य शिक्षा था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डा. पूनम मोर के द्वारा तथा संचालन गणित विभाग की सहायक प्राध्यापिका अंजू ने किया। इस व्याख्यान का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को मूल्य शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता दिव्या रही जो कि महर्षि दयानंद विश्वविद्यालयए रोहतक में गणित विभाग में शोधार्थी हैं। दिव्या ने छात्राओं को बताया कि मूल्य शिक्षा चरित्र निर्माण, नैतिक विकास और सामाजिक जिम्मेदारी सिखाने वाली एक आवश्यक प्रक्रिया है। यह ईमानदारी, सहानुभूति, सम्मान और सहयोग जैसे सकारात्मक मानवीय गुणों को विकसित करती है।

वैवाहिक परिचय सम्मेलन आज करनाल में : राजकुमार गोयल

■ जींद जिले से भी काफी संख्या में प्रत्याशी लेंगे भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने बताया कि 15 मार्च को अग्रसेन भवन सेक्टर 8 करनाल में 26वां अग्रवाल वैवाहिक परिचय सम्मेलन समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस परिचय सम्मेलन में जींद जिले से भी काफी संख्या में विवाह योग्य प्रत्याशी भाग लेंगे और अपने जीवन साथी का चयन करेंगे। जींद से अग्रवाल समाज के काफी पदाधिकारी भी इस समारोह में शामिल होंगे। गोयल ने बताया कि अग्रवाल युवा संगठन करनाल द्वारा आयोजित इस परिचय सम्मेलन में करनाल की मेयर रेणु बाला, अग्रोहा धाम के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग, लिबर्टी ग्रुप के एमडी शम्मी बंसल, वैश्य समाज के प्रदेश अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला इत्यादि अतिथिगण होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल युवा संगठन करनाल के प्रधान रमेश जिंदल द्वारा की जाएगी। समारोह सुबह दीप प्रज्जवलन और माल्यार्पण के साथ के साथ शुरू होगा। उसके बाद अतिथियों के स्वागत के साथ परिचय सम्मेलन का सत्र शुरू होगा।

भीड़ नियंत्रण को लेकर जवानों ने की ड्रिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला जींद में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ व प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस लाइन जींद में जिला पुलिस द्वारा गठित कंपनी ए व बी के जवानों को शनिवार को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जवानों को किसी भी आपात स्थिति, भीड़ नियंत्रण व कानून व्यवस्था की चुनौतियों से निपटने के लिए और अधिक दक्ष बनाना रहा। इस प्रशिक्षण के दौरान रैपिड एक्शन फोर्स के डिप्टी कमांडेंट सुनील कुमार के नेतृत्व में जवानों को भीड़ नियंत्रण से संबंधित विभिन्न ड्रिलों का व्यावहारिक अभ्यास करवाया गया। इसके साथ ही जवानों को वॉटर कैनन के प्रभावी उपयोग, भीड़ को नियंत्रित करने की रणनीतियों तथा सहित अन्य आवश्यक उपकरणों व संसाधनों के सही व सुरक्षित प्रयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के अंत में जवानों की सीखने की क्षमता और समझ का आंकलन करने के लिए उनका लिखित मूल्यांकन भी लिया गया। जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि जवान प्रशिक्षण के दौरान दी गई जानकारी को बेहतर तरीके से आत्मसात कर सकें। इस अवसर पर सीडीआई सतीश कुमार, लाइन ऑफिसर निरीक्षक महेंद्र कुमार सहित अन्य पुलिस अधिकारी व जवान उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी जवानों ने पूरे उत्साह व अनुशासन के साथ भाग लिया और कानून व्यवस्था को प्रभावी ढंग से बनाए रखने के लिए अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक मजबूती से निभाने का संकल्प लिया। एसपी कुलदीप सिंह ने कहा कि जिला पुलिस का उद्देश्य है कि पुलिस बल को समय-समय पर आधुनिक प्रशिक्षण देकर उन्हें हर परिस्थिति के लिए तैयार रखा जाए ताकि आमजन की सुरक्षा और शांति व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

जींद। समस्याएं सुनते अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

उपभोक्ताओं की मौके पर सुनी समस्याएं

जींद। आम लोगों को गैस से संबंधित किसी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक डीएफएससी राजेश आर्य और सप्लाई इंचार्ज अमित ने शनिवार को गैस एजेंसियों और वितरण क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। एजेंसियों पर उपभोक्ताओं से बातचीत की और समस्याएं सुन कर मौके पर ही समाधान करवाया। डीएफएससी राजेश ने बताया कि जिले में सिलेंडर की सप्लाई सुचारू है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। उपभोक्ताओं से अपील की कि वे कंपनी के नियमों के अनुसार सिलेंडर बुक करवाएं। जिसके बाद उन्हें आसानी से गैस सिलेंडर उपलब्ध हो जाएगा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जींद गैस एजेंसी, पारस गैस एजेंसी, पूनम गैस एजेंसी, मॉडर्न गैस और कंफेड गैस एजेंसी पर जा कर उपभोक्ताओं से सीधा संवाद किया।

पुलिस व बिजली विभाग ने चलाया संयुक्त सर्च अभियान

83 बिजली चोरों पर साढ़े 13 लाख जुर्माना ठोका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। अभियान चलाए पुलिसकर्मी। फोटो :हरिभूमि

नरवाना पुलिस व बिजली विभाग ने शानिवार को संयुक्त रूप से नशा व बिजली चोरी रोकने को लेकर गांव धमतान साहिब, रसीदां तथा रेवर में सर्च अभियान चलाया। जिसके तहत 83 बिजली चोरी के मामले पकड़े और साढ़े 13 लाख जुर्माना लगाया गया। दो बाइक को इंपाउड किया गया। संयुक्त अभियान में थाना शहर नरवाना, थाना सदर नरवाना, थाना गढ़ी, सीआईए स्टाफ नरवाना, चौकी धमतान साहिब, चौकी हुड्डा नरवाना पुलिस के कर्मी शामिल रहे। वहीं बिजली विभाग की ओर से एसडीओ बिजली विभाग धमतान साहिब व एसडीओ बिजली विभाग गढ़ी अपनी टीम के साथ अभियान में शामिल हुए। अभियान के दौरान डॉग स्क्वायड की टीम को भी विशेष रूप से शामिल किया गया। जिसके माध्यम से संदिग्ध स्थानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया गया ताकि नशा तस्करों की गतिविधियों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाया जा सके। पुलिस टीमों द्वारा गांवों में गहन तलाशी अभियान चला कर संदिग्ध व्यक्तियों व स्थानों की जांच की गई। गांव धमतान साहिब में दो मोटरसाइकिलों को नियमों के उल्लंघन के चलते इम्पाउंड किया गया। इसके अतिरिक्त बिजली विभाग की टीम द्वारा बिजली चोरी के मामलों में भी सख्त कार्रवाई करते हुए गांव धमतान साहिब में 52 बिजली चोरी के मामले पकड़े। जिन पर लगभग 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। गांव रसीदा व रेवर में भी बिजली विभाग द्वारा जांच के दौरान 31 बिजली चोरी के मामले सामने आए। जिन पर लगभग 3.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

मुहिम भविष्य में जारी रहेगी

डीएसपी कमलदीप राणा ने बताया कि इस संयुक्त अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र में सक्रिय नशा तस्करों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करना तथा उनके नेटवर्क को समाप्त करना है। नशे के खिलाफ पुलिस की मुहिम भविष्य में भी लगातार जारी रहेगी।

पेंशनरों की लंबित मांगों को जल्द पूरा करे सरकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा पुलिस कर्मचारी एसोसिएशन की बैठक प्रेम सिंह बांगड की अध्यक्षता मे हुई। बैठक का संचालन मिया सिंह ने किया। बैठक में एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी बनाई गई। जिसमें सतबीर सिंह बांगड को महासचिव, शमशेर सिंह को प्रैस प्रवक्ता व रणबीर सिंह बेनीवाल को चेयरमैन नियुक्त किया गया। इसके बाद पुलिस कर्मचारियों व पैंशनरों की मांगो पर विचार करते हुए विशेष तौर पर पुलिस विभाग में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को पक्का करने की सरकार से मांग की और इसके अतिरिक्त सरकार से मांग की गई कि कर्मचारियों व पैंशनरों की काफी समय से लंबित मांगे लागू की जाए। मांग की कि पुरानी पेंशन लागू की जाए। सरकार द्वारा कैशलेस मेडिकल सुविधा का पत्र जारी करके अमलीजामा दिया जाए ताकि सरकार द्वारा की गई घोषणाएं सिर्फ घोषणाएं न रह जाएं। पैंशनरों की उम्र 65, 70, 75 होने पर 10, 15, 20 % की बढ़ोत्तरी की जाए जैसा कि अन्य राज्यों मे लागू है। मेडिकल भत्ता एक हजार से बढा कर तीन हजार किया जाए। क्योंकि बडी उम्र मे दवाइयों पर ज्यादा खर्च आता है। पुलिस विभाग में रिक्तियों के अनुसार वरिष्ठता-योग्यता अनुसार पदोन्नति दी जाए व यूनिट में वरिष्ठता सूचि तैयार करवाई जाए।

गुरु परंपरा के सम्मान और कृतज्ञता की भावना ही सनातन धर्म की असली पहचान

पूज्य संतों के सान्निध्य में सदैव ऊंची रहेगी सनातन धर्म की ध्वज पताकाः आदित्यनाथ

- सिद्ध बाबा मुकुटनाथ मठ में 'आठ मान का भंडारा' और शंखढाल कार्यक्रम आयोजित
- पूर्व महंत गणेशनाथ महाराज को दी श्रद्धांजलि और संत-महात्माओं का किया अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

गांव सोंगल स्थित प्राचीन और पौराणिक सिद्ध स्थल सिद्ध बाबा मुकुटनाथ मठ में शनिवार को पूर्व महंत ब्रह्मलीन पीर गणेशनाथ महाराज की स्मृति में 'आठ मान का भंडारा' और शंखाढाल कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने विशेष रूप से शिरकत की और संत-महात्माओं तथा श्रद्धालुओं को संबोधित किया। गांव सौंगल में पहुंचने पर डीसी अपराजिता ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का स्वागत किया।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोंगल स्थित बाबा मुकुटनाथ जी की पावन समाधि स्थली और इस पवित्र धरा को नमन करते हुए कहा कि यह आयोजन गुरु परंपरा के प्रति श्रद्धा और कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक है। उन्होंने पूर्व महंत पीर गणेशनाथ जी महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सनातन धर्म की असली पहचान जीवित रहते हुए सम्मान देना तो है ही, साथ ही भौतिक रूप से उपस्थित न होने पर भी अपने पूर्वजों और गुरुओं के प्रति अटूट कृतज्ञता बनाए रखना है। इसलिए हम अपने गुरुओं और पूर्वजों के प्रति सदैव कृतज्ञ रहते हैं। उन्होंने कहा कि पीर गणेशनाथ जी महाराज ने इस सिद्ध स्थल और पीठ के विकास के लिए जो तप और साधना की थी, उसी का परिणाम है कि आज इस पावन धरा पर इतनी बड़ी संख्या में संत-महात्मा और श्रद्धालु एकत्रित हुए हैं। उन्होंने उपस्थित सभी का अभिवादन किया और विश्वास जताया कि आने वाले समय में श्रद्धालुओं की संख्या और भी बढेगी।उन्होंने कहा कि सनातन की ध्वज पताका हमेशा इन पूज्य संतों के सान्निध्य में ऊँची रहेगी, उसको कोई झुका नहीं सकता है, कोई ताकत झुका नहीं सकती है।

कैथल। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोंगल में जनसभा को संबोधित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कैथल। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गांव सोंगल में पूजा अर्चना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कैथल। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनसभा का अभिवादन स्वीकारते हुए। फोटो : हरिभूमि

महंत बालकनाथ ने किया संबोधित

कार्यक्रम को अस्थल बोहर मठ के महंत बालकनाथ जी ने भी संबोधित किया। उन्होंने युवा पीढ़ी को संस्कारित बनाने का आह्वान किया। भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, अशोक गुर्जर, पूर्व मंत्री कमलेश ढांडा एवं पूर्व विधायक लीला राम,मनीष कठवाड़, सांसद कार्यालय प्रभारी रविंद्र धीमान ने संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का अभिनंदन किया।

पंजाब व हरियाणा ने सनातन धर्म को आगे बढ़ाया

उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपने गुरु की याद में इतना बड़ा आयोजन ही सनातन की असली पहचान है। जीते जी सम्मान देते ही हैं, जब भौतिक रूप से न रहें, तब भी कृतज्ञता का भाव और अपने गुरु व पूर्वजों के प्रति भाव बना रहे, यह सनातन में ही संभव है। किसी ने हमारे प्रति कोई योगदान दिया है, उस योगदान के प्रति की जाने वाली कृतज्ञता ही सनातन की पहचान है। हरियाणा पंजाब की भूमि को वीरों की भूमि करार देते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब सिकंदर ने विश्व विजेता बनने का सपना देखा तो इसी धरती से एक योगेश्वर ने उन्हें चुनौती देते हुए कहा था कि ईश्वर से बड़ा कोई नहीं है। सिकंदर को आखिर में नतमस्तक होना पड़ा था। यह भारत की सिद्ध संतों, सन्यासियों की परंपरा है। जिसमें सदैव सदाचार को, कर्तव्य को, राष्ट्र के प्रति अपनी समर्पण के भाव को मान्यता दी है। समाज और राष्ट्र के लिए अपने आप को समर्पित किया है। पंजाब और हरियाणा की भूमि में ऐसे सिद्ध संतों की लंबी परंपरा ही है। जिन्होंने सनातन परंपरा को आगे बढ़ाया है।

महंत पीर शेरनाथ की चादर रस्म की अदा

कार्यक्रम का आयोजन सोंगल मठ के पीर महंत शेरनाथ जी महाराज के नेतृत्व में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन पीर महंत शेरनाथ जी ने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत गणेशनाथ जी को नमन करते हुए किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सबसे पहले धूणे पर पूजन किया। इसके बाद संत परंपराओं में भाग लिया। उन्होंने अपने संदेश के बाद मंच पर ही गांव सौंगल की सिद्ध मुकुटनाथ पीठ के महंत पीर शेरनाथ जी की चादर रस्म अदा की। सबसे पहले गांव की पंचायत ने 41 लाख रुपये एवं चादर ओढ़ाकर चादर की रस्म अदा की। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ सहित आठ सिद्ध पीठ से आए महंतों ने उन्हें नकद एवं चादर ओढ़ाकर रस्म पूरी की। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ गांव में स्थित मठ में पहुंचे। जहां उन्होंने 17 समाधियों में लीन संतों को नमन किया।

दूसरे प्रदेशों से भी पहुंचे संत महात्मा

आठ मान का भंडारा नाथ संप्रदाय की परंपरा से जुड़ा एक विशेष धार्मिक आयोजन है, जिसमें आठ प्रमुख मठ—सोंगल, अबोहर, कोथ, रायसन, पिहोवा, उझाणा, धनौरी और हीरों कलां (पंजाब)—से जुड़े संत-महात्मा और श्रद्धालु एकत्रित हुए। इस अवसर पर महंत लहरनाथ जी, महंत शेरनाथ, महंत राजनाथ, महंत हरीनाथ, महंत पूर्णनाथ, महंत जिताई नाथ, महंत कृष्ण नाथ, महंत समुंदरनाथ, महंत अर्जुन नाथ, महंत चताई नाथ, महंत कृष्ण नाथ, महंत खुशी नाथ, महंत तेजनाथ, महंत बालकनाथ कैलरम, महंत गंगानाथ, महंत मोतीनाथ, महंत भोजनाथ, महंत सोमवारनाथ, राजनाथ, सुरेंद्र नाथ सहित हजारों की संख्या में संत के अलावा आस-पास के गांवों से लोग पहुंचे थे। गांव में सिद्ध महंत मुकुटनाथ मठ की ओर से विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा डीसी अपराजिता एवं एसपी उपासना की अगुवाई में सुरक्षा सहित अन्य चाक-चौबंद व्यवस्थाओं का कुशल मार्गदर्शन किया।

भाजपा ने दी देशवासियों को सुरक्षा की गारंटी

जाति व धर्म से ऊपर उठकर देश के युवा राष्ट्रनिर्माण में दें योगदान : आदित्यनाथ

कैथल। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य महंत गांव सोंगल में पूजा अर्चना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

- कहा- जब-जब देश जाति में बंटा, तब-तब कमजोर हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रद्धा एवं समर्पण का भाव ही हमें कृतज्ञता सीखाता है। हम सबका भी फर्ज बनता है जो देश को मजबूत करने का काम कर रहे हैं, उनका समर्थन करना चाहिए। योगी आदित्यनाथ शनिवार को गांव सोंगल में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश में एक टीस थी कि अयोध्या में भगवान श्रीराम लला का मंदिर बनें। पांच सौ साल बीत गए। हिंदू संघर्ष करता रहा। जब इस देश में नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बनें, तब से देश में उत्तर प्रदेश अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर बनकर खड़ा हुआ और श्रीराम लला विराजमान हो गए हैं। आजादी के बाद अनेकों लोगों को सरकार बनाने का अवसर प्राप्त हुआ। किसी ने हमारी आस्था के बारे में नहीं सोचा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आए और केंद्र व राज्य में एक जैसी सरकार बनीं तो परिणाम आया कि भगवान श्रीराम मंदिर का निर्माण हो गया है। देशवासियों को सुरक्षा और आस्था की गारंटी मिली। काशी में काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल में महाकाल का लोक बन गया है। बदरीनाथ पुरी में भव्य धाम का निर्माण हो गया है। यह तभी संभव हुआ, जब उसके बारे में सोचने वाली सरकारें बनीं। तुष्टीकरण वाली सरकारों के समय में आतंकवाद और नक्सलवाद बढ़ा। जब देश जागरूक हुआ तो जनचेतना के जागरण का परिणाम था कि देश व सनातन के प्रति अन्याय करने वालों को सत्ता से बाहर कर दिया। भाजपा और मोदी जी पर विश्वास जताया। आज देश नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में देश उसी रूप में आगे बढ़ रहा है, जिस रूप में भारत की जनता आगे बढ़ना चाहती थी। आज विरोधी लोग संवैधानिक संस्थाओं पर अविश्वास जताते हैं। कड़वा-कड़वा थू और मीठा-मीठा गप नहीं चलेगा। देश समझ चुका है। जो लोग संविधान विरोधी नीति अपनाकर संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम कर रहे हैं, भारत की जनता सहन नहीं करेगी। एक ओर धर्मसभाओं में इन बातों पर चिंतन होना चाहिए। भारत का दुश्मन पाकिस्तान हमेशा भारत को कमजोर करने का प्रयास करता है। नशे को बढ़ावा देकर पाकिस्तान देश को कमजोर करना चाहता है।

खबर संक्षेप

कौशल संवर्धन प्रशिक्षण शिविर 17 से 30 तक

कैथल। महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय, कैथल एवं भारत संस्कृत परिषद् (संस्कृत आयाम, विश्व हिन्दू परिषद्) के संयुक्त तत्वावधान में 17 मार्च से 30 मार्च 2026 तक संस्कृत भाषा कौशल संवर्धन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर का उद्घाटन 17 मार्च 2026 को प्रातः 11:30 बजे विश्वविद्यालय के टीक परिसर स्थित सभागार में आयोजित होगा। यह शिविर विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. राजेन्द्र कुमार अनायत के मार्गदर्शन में आयोजित किया जाएगा तथा शिविर में विश्व हिन्दू परिषद् के संस्कृत आयाम प्रमुख प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी भी उपस्थित रहेंगे।

आरकेएसडी कॉलेज के तीन शिक्षकों की पदोन्नति

कैथल। आरकेएसडी कॉलेज के लिए यह अत्यंत गौरव का विषय है कि महाविद्यालय के तीन वरिष्ठ शिक्षकों को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की कैरियर उन्नयन योजना के अंतर्गत प्रोफेसर पद पर पदोन्नति प्रदान की गई है, जिन्हें विश्वविद्यालय तथा उच्च शिक्षा विभाग, पंचकूला द्वारा विधिवत स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इन पदोन्नतियों के अंतर्गत राजनीति विज्ञान विभाग के डॉ. अशोक अत्री एवं डॉ. सुरेन्द्र सिंह तथा हिंदी विभाग के डॉ. बिजेन्द्र कुमार को प्रोफेसर पद पर पदोन्नत किया गया है। यह उपलब्धि न केवल संबंधित शिक्षकों की दीर्घकालीन शैक्षणिक सेवाओं, शोध कार्य एवं समर्पण का परिणाम है।

करियर के अवसर और साक्षात्कार में सफलता की रणनीतियां पर कार्यशाला

- ऑनलाइन कार्यशाला में विद्यार्थियों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज, कौल के वाणिज्य विभाग एवं वाणिज्य संघ द्वारा डी.ए.वी. कॉलेज पिहोवा, गुरु नानक खालसा कॉलेज करनाल तथा नीलम विश्वविद्यालय कैथल के वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन संकाय के सहयोग से आपसी समझौते के तहत 13 मार्च 2026 को "स्नातकोत्तर के बाद करियर के अवसर तथा साक्षात्कार में सफलता की रणनीतियां" विषय पर एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के संरक्षक के रूप में बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज कौल की कार्यवाहक प्राचार्या डॉ. कुसुम, डी.ए.वी. कॉलेज पिहोवा की प्राचार्या डॉ. सुमन सिरोही, गुरु नानक खालसा कॉलेज करनाल के प्राचार्य डॉ. चूहर सिंह तथा नीलम विश्वविद्यालय कैथल के कुलपति डॉ. शमीम अहमद का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। कार्यशाला की मुख्य वक्ता हिन्दू कन्या महाविद्यालय जींद के इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि रहीं। कार्यक्रम के दौरान डॉ. रेखा गुप्ता ने मुख्य वक्ता का स्वागत किया। डॉ. रश्मि ने विद्यार्थियों को स्नातक के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के लिए पारंपरिक क्षेत्रों के साथ-साथ कई नए क्षेत्रों में भी उज्ज्वल संभावनाएं मौजूद हैं।

ढांड। एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला में भाग लेते विशेषज्ञ।

कैथल। कार्यशाला में उपस्थित छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

राजकीय महिला कॉलेज धनौरी में स्पोकन इंग्लिश पर हुई एक दिवसीय वर्कशॉप

कैथल। राजकीय महिला महाविधालय धनौरी कैथल में छात्राओं के लिए स्पोकन इंग्लिश पर एक दिवसीय वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के तहत सुरेंदर और नवीन (सनी इंग्लिश क्लासेज) ने महाविद्यालय की छात्राओं के साथ अंग्रेजी भाषा में वार्तालाप व संवाद कौशल के विकास पर चर्चा की। यह कार्यशाला डॉ. मनोज कुमार भाम्बू के निर्देशन में आयोजित की गई, जिनका उद्देश्य छात्राओं की अंग्रेजी बोलने की क्षमता का विकास करना और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाना था। कार्यशाला के दौरान अंग्रेजी के सही उच्चारण, दैनिक जीवन में प्रयुक्त होने वाले वाक्यों तथा प्रभावी संवाद कौशल के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही विभिन्न गतिविधियों और अभ्यासों के माध्यम से छात्राओं को अंग्रेजी बोलने का अभ्यास भी कराया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यशाला को उपयोगी बताया।

कलायत। कपिल मुनि राजकीय महिला कालेज में सफाई अभियान चलाती एनएसएस स्वयं सेविकाएं। फोटो :हरिभूमि

स्वच्छता से ही स्वस्थ भारत का निर्माण संभवः गर्ग

कलायत। कलायत के श्री कपिल मुनि राजकीय महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के बैनर तले एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय की एनएसएस स्वयंसेविकाओं ने उत्साह से हिस्सा लिया। छात्राओं ने श्रमदान करते हुए कालेज परिसर के साथ-साथ इंदिरा कालोनी मे स्वच्छता अभियान चलाते हुए स्वच्छता का संदेश दिया। शिविर में प्राचार्य सुनील गर्ग ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डा.कविता रानी की अध्यक्षता में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता पर आधारित रैली को हरी झंडी दी। इसमें कालेज शिक्षक वर्ग भी शामिल रहा। प्राचार्य व कार्यक्रम अधिकारी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता बेहद जरूरी है। इससे ही स्वस्थ भारत का निर्माण संभव है। छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के नारे लगाते हुए जल व जंगल जमीन को बचाने का आह्वान किया। प्रकृति दोहन न करने पर बल दिया गया। स्वयंसेविकाओं ने नगर के गली मोहल्लों में जाकर लोगों को समझाया कि प्राकृतिक आपदाओं से बचने का एकमात्र उपाय पर्यावरण संरक्षण ही है। यदि समय रहते हैं पर्यावरण को संरक्षित नहीं किया तो इसके दुष्परिणाम तय हैं।

बचपन का समय व्यक्तित्व विकास में निभाता है अहम भूमिका : अग्रवाल

- जिला बाल कल्याण समिति ने किया बाल आश्रम का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

जिला बाल कल्याण समिति द्वारा शनिवार को कोठी गेट पर श्री सनातन धर्म सभा द्वारा मंदिर प्रांगण में चलाए जा रहे बाल उपवन आश्रम कैथल विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी का दौरा किया गया। इस दौरान समिति के चेयरमैन भीमसेन अग्रवाल तथा सदस्य पुरुषोत्तम शर्मा, गुरदेव, पुष्पा रानी तथा रितू सिंगला शामिल रही। टीम के सदस्यों ने वहां पर बच्चों को दी जाने वाली सुविधाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। अग्रवाल ने कर्मचारियों को आदेश दिए कि बच्चों का सही तरह से पालन पोषण करें। इसमें किसी भी तरह की कोताही सहन नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि बचपन का समय व्यक्ति के विकास में अहम भूमिका निभाता है। ऐसे में हमें चाहिए कि बच्चों को बाल्यकाल में संपूर्ण पोषाहार के साथ साथ उनमें अच्छी आदतें डालनी चाहिए।

चेयरमैन ने कहा कि सभा द्वारा बच्चों को संरक्षण देकर समाजसेवा का सराहनीय कार्य किया जा रहा है। असहाय व अनाथ बच्चों की सेवा करना सभी का धर्म बनता है। हमें चाहिए कि हम इसमें बढ चढकर योगदान दें।

कैथल। बाल उपवन आश्रम कैथल का निरीक्षण करती जिला बाल कल्याण समिति की टीम। फोटो :हरिभूमि

न्यूज डायरी

सुरक्षा व कानूनी प्रक्रिया के लिए माइग्रेशन यात्रा हमेशा सरकार द्वारा अधिकृत रास्तों को : संगीता

कैथल। राजकीय महाविद्यालय कैथल में करनाल के सहयोग से दो जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अभिषेक गोयल ने बताया की ये शिविर तो एक पहल है। इन शिविरों के माध्यम से छात्रों और प्रवासियों को नैतिक, सुरक्षित और सूचित प्रवास के लिए जानकारी और परामर्श मिलता है। प्रशिक्षक संगीता ने बताया कि सुरक्षा और क़ानूनी प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अपनी माइग्रेशन यात्रा हमेशा सरकार द्वारा अधिकृत रास्तों से शुरू करें और सही जानकारी के लिए उस देश की अधिकारिक वेबसाइट जैसे विश्वसनीय प्लेटफार्म का ही उपयोग करें ।

लोगों ने प्रॉपर्टी टैक्स के ब्याज,पानी व सीवर के बिलों पर लगने वाले सरचार्ज माफ करने का किया स्वागत

सीवन। प्रदेश सरकार द्वारा प्रॉपर्टी टैक्स के ब्याज तथा पानी और सीवर के बिलों पर लगाए जाने वाले सरचार्ज को माफ करने के निर्णय का सीवन नगर में स्वागत किया जा रहा है। भाजपा की जिला उपाध्यक्ष शैली मुंजाल ने कहा कि नगर पालिका बनने के बाद काफी समय तक सीवन के कई नागरिकों को प्रॉपर्टी टैक्स के बिल समय पर प्राप्त नहीं हो पाए थे। इस कारण अनेक लोग समय पर टैक्स जमा नहीं कर सके और पिछले कई वर्षों से यह राशि लंबित चल रही थी, जिस पर लगातार ब्याज भी बढ़ता जा रहा था। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर उन्होंने एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर प्रॉपर्टी टैक्स के ब्याज को माफ करने की मांग उठाई थी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में ही प्रॉपर्टी टैक्स के ब्याज को माफ करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि अब लोग बिना अतिरिक्त ब्याज के अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर सकेंगे, जिससे नगर निकायों की आय भी बढ़ेगी और शहर के विकास कार्यों को गति मिलेगी।

जिला सरकारी अस्पताल के डॉ. विनय गुप्ता को पी.जी.आई एम एस रोहतक से मिला विशेष न्योता

कैथल। अबसे कुछ दिन पहले असम व उत्तराखंड के जवाहर नवोदय विद्यालय ने कैथल के नागरिक अस्पताल के डॉ. विनय गुप्ता को विशेष न्यौता भेजा था। डॉ. विनय के उन लेक्चर वीडियो सोशल मीडिया पर अब तक लाखों करोड़ों लोग देख कर सराह चुके हैं , जिसके चलते अब उन्हें पी.जी.आई रोहतक में संबोधन के लिए विशेष आधिकारिक आमंत्रण भेजा है। पी जी आई रोहतक के ऑडिटोरियम में होने वाले इस कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में डॉक्टर्स आयेंगे और दुनिया के हजारों डॉक्टर्स ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़ेंगे और देखेंगे। हाल ही में डॉक्टर गुप्ता द्वारा राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा और पंजाब के स्कूलों के बुलावे पर युवाओं में बढ़ रहे रिलेशनशिप इश्यूज पर व्याख्यान दिए थे जो आज के ज्वलंत और संवेदनशील मुद्दों को केंद्र में रखकर दिए गए थे। गत 2025 में ही उनके द्वारा सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा में व्याख्यान के लिए बुलाया गया था जिसमे लंदन के हल स्कूल ऑफ़ मेडिसिन के प्रोफेसर के साथ मिलकर मानसिक स्वास्थ्य पर आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस के असर के बारे में बताया।

जिला न्यायधीश कंचन माही की देखरेख में हुआ लोक अदालत का आयोजन

राष्ट्रीय लोक अदालत में हुआ 9350 मुकदमों का निपटारा

मुबलिक 7 करोड़ 76 लाख 19 हजार 286 की राशि प्राप्त हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायधीश कंचन माही की देखरेख में शनिवार को न्यायिक परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायधीश डा. अमित कुमार गर्ग, प्रधान न्यायधीश दवेन्द्र सिंह, सिविल न्यायाधीष (सिनियर डिविजन) डा. अमन इन्द्र सिंह, सिविल न्यायाधीष (जूनियर डिवीजन) संदीप कौर, सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) जसमीत कौर कैथल और अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (सिनियर डिवीजन) गुहला डिविजन अक्षय कुमार के बैंच गठित किये गये थे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कंवल कुमार ने बताया कि इस राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 14 हजार 913 लंबित मामलों को रखा गया था, जिसमें से 9350 मामलों का निपटारा किया गया। कुल मुबलिक 7 करोड़ 76 लाख 19 हजार 286 रुपये की राशि विभिन्न अपराधिक, एन आई एक्ट, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन, श्रम से संबंधित विवाद मामले, राजस्व मामले अन्य मामलों का इस राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से निपटारा किया गया है। इसके साथ ही उन्होने बताया कि लोक अदालत एक ऐसी अदालत है जिसमें मामलों का निपटारा पक्षकारों की पारस्परिक सहमति से किया जाता है। लोक अदालत की विषेशता है कि यह शीघ्र व सस्ते न्याय का स्त्रोत है।

कैथल। राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों की सुनवाई करते न्यायाधीश।

गुहला तहसील में खुला दरबार, 70 इंतकालों का मौके पर ही निपटान

गुहला चीका। राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने और लंबित मामलों के त्वरित समाधान के उद्देश्य से डीसी अपराजिता के आदेशानुसार गुहला तहसील में खुला दरबार आयोजित किया गया। नायब तहसीलदार सुरेश कुमार ने बताया कि खुले दरबार के दौरान कुल 70 इंतकालों की जांच और सुनवाई कर उन्हें मौके पर ही मंजूरी दी गई। इसके अलावा राजस्व रिकॉर्ड में सुधार से संबंधित 5 फर्द बदर के मामलों का भी निपटान किया गया। उन्होंने बताया कि सभी मामलों की जांच राजस्व विभाग के निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं के अनुसार की गई, ताकि रिकॉर्ड में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। इस पहल से क्षेत्र के लोगों को अपने भूमि संबंधी दस्तावेजों और इंतकाल से जुड़े कार्यों के लिए बार-बार कार्यालय के चक्कर काटने से राहत मिली है। साथ ही राजस्व मामलों के त्वरित समाधान से लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास भी मजबूत हुआ है।

ग्राम पंचायत, जलालपुर खुर्द
ब्लाक व जिला जींद (हरियाणा)

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत जलालपुर खुर्द, खण्ड जींद व जिला जींद में सफाई कर्मचारी का एक पद रिक्त है। सफाई कर्मचारी के पद पर नियुक्ति के लिए खण्ड विकास एवं पंचायत कार्यालय जींद द्वारा आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।
1. आवेदन जमा करवाने की तिथि - 17 से 24 मार्च 2026 शनिवार व रविवार छोड़कर
2. साक्षात्कार की तिथि - 27 मार्च 2026
3. आवेदन पत्र प्राप्त व जमा करवाने का स्थान - कार्यालय खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी, जींद

आवेदन के लिए निम्नलिखित योग्यता निर्धारित की गई है।
1. आवेदक शारीरिक रूप से स्वस्थ हो तथा सफाई का कार्य करने के लिए इच्छुक हो।
2. आवेदक गांव का स्थाई निवासी हो तथा अनुसूचित जाति को प्राथमिकता दी जाएगी।
3. आवेदक की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष के बीच हो।

हस्ता/-सरपंच, ग्राम पंचायत, जलालपुर खुर्द, ब्लाक व जिला जींद (हरियाणा), फोन नं. 9255394633
हस्ता/-दीपक दुल, ग्राम सचिव, फोन नं. 9416514907

खबर संक्षेप

हरियाणा में गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से शुरू होगी

पूंडरी। पूंडरी के विधायक सतपाल जाम्बा ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा राज्य में गेहूं की सरकारी खरीद आगामी 1 अप्रैल से शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की सुविधा और हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

छात्रों को स्कॉलरशिप वेरिफिकेशन का समय

जींद। हरियाणा प्रदेश के हजारों विद्यार्थियों को बड़ी राहत देते हुए पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (एससी, ओबीसी, ईबीसी, डीएनटी) के लिए आवेदन सत्यापन की तिथि बढ़ा दी गई है। इससे उन विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा, जिनके छात्रवृत्ति फार्म समय पर सत्यापित नहीं हो पाए थे। एबीवीपी जींद इकाई अध्यक्ष सतविंदर ढिल्लो ने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन और संबंधित विभागों के समक्ष यह मुद्दा मजबूती से उठाया था।

ढाकल हैड से रजबाहा के लिए कमेटी भी बनेगी

उचाना। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने कहा कि बीते दिनों उचाना भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की अगुवाई में हुई उचाना विकास रैली में ढाकल हैड से रजबाहा बनाने के लिए सीएम नायब सिंह सैनी ने कमेटी बनाने की घोषणा की। अब कमेटी भी बनेगी विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री की अगुवाई में रजबाहा भी बनेगा। पहले उचाना हलके में किसान के नाम पर वोट मांगे गए।

कनाडा भेजने का झांसा देकर हड़पे 11 लाख रुपये

जींद। कनाडा भेजने का झांसा देकर 11 लाख रुपये हड़पने पर गढ़ी थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। गांव उझाना निवासी राजेंद्र ने बताया कि उसकी वर्ष 2024 में मुलाकात गांव बीबीपुर जिला पटियाला निवासी सुरेंद्र तथा बलविंद्र से हुई थी। आरोपितों ने बताया कि वे विदेश भेजने का काम करते हैं। वह आरोपितों के झांसे में आ गया।

डॉक्टर का पर्सनल लोन करवा 21 लाख हड़पे

जींद। डाक्टर का पर्सनल लोन करवा 21 लाख रुपये की राशि तथा ज्वैलरी हड़पने पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने 13 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सैक्टर नौ निवासी डाक्टर विरेंद्र ने बताया कि उसकी पत्नी निशा तथा फिरोज उसकी तेवतिया इंटरप्राइजिज के प्रोपराइटर हैं। आरोपितों ने वर्ष 2023 तथा 24 में उसे पर्सनल लोन लेन के मजबूर किया।

इनेलो का युवा सम्मेलन 23 को नरवाना में

कैथल। इनेलो की हलका स्तरीय बैठक का आयोजन कैथल व गुहला में किया गया। बैठक में मुख्य रूप से इनेलो की महिला सेल की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुमित्रा देवी व महिला प्रदेशाध्यक्ष तनुजा कश्यप ने शिरकत की। इस दौरान 23 मार्च को होने वाले युवा सम्मेलन को लेकर विचार विमर्श किया गया।

भविष्य की चिंता को लेकर उपभोक्ता पहुंच रहे गैस एजेंसियों पर

गैस एजेंसियों के बाहर घंटों लाइनों में लगकर लोग कटवा रहे स्लिप

गैस एजेंसियां भी ग्राहकों को नहीं कर पा रहीं संतुष्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जिले में रसोई गैस को लेकर मारामारी कम होने का नाम नही ले रही है। हालांकि प्रशासन लगातार दावा कर रहा है कि एलपीजी, सीएनजी, पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति पर्याप्त मात्रा में नियमित तौर पर हो रही है। बावजूद इसके उपभोक्ताओं को भविष्य की चिंता लगातार सता रही है। गैस एजेंसियां भी ग्राहकों को संतुष्ट नही कर पा रही है।

ग्रामीण उपभोक्ताओं को डिलीवरी गांव में न होने की बात कहते हुए शहर बुलाया जा रहा है। शहर की कोई भी गैस एजेंसियां ऐसी नही हैं, जिस के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी कतारें न लग रही हों। शनिवार को गैस एजेंसियों के बाहर लोग घंटों लाइनों में खड़े होकर गैस की पर्ची कटवाने का इंतजार करते हुए नजर आए।

जींद। रानी तालाब स्थित भारत गैस एजेंसी के बाहर लगी लाइन। फोटो: हरिभूमि

प्रशासन केवल बोल रहा मिल नहीं रहे सिलेंडर

महिला सुनीता ने बताया कि वह सुबह सात बजे ही एजेंसी पर अपने पति के साथ आ गई थी। एक घंटे के बाद उनका नंबर आया है। उसकी तरह अन्य महिलाएं भी घर के काम छोड़ कर घंटों लाइन में खड़ा होने को मजबूर हैं। प्रशासन केवल बोल रहा है कि गैस सिलेंडर पर्याप्त हैं लेकिन मिल नही रहे हैं। इस तरफ प्रशासन को ध्यान देना चाहिए। गैस सिलेंडर लेने के लिए लोगों को बार-बार एजेंसी के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। प्रशासन को व्यवस्था में सुधार करना चाहिए ताकि आम लोगों को राहत मिल सके।

गैस सप्लाई की शिकायत पर होगी त्वरित कार्रवाई

जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक विभाग के डीएफएसओ राजेश कुमार आर्य ने बताया कि यदि कहीं भी गैस सप्लाई, कीमत या वितरण को लेकर कोई शिकायत मिलती है तो विभाग तुरंत कार्रवाई करेगा। जिले में गैस सिलेंडर और अन्य पेट्रोलियम पदार्थों की पर्याप्त उपलब्धता है। विभाग की ओर से गैस एजेंसियों और सिलेंडरों की आपूर्ति व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसके लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है तथा सभी आपूर्तिकर्ताओं से प्रतिदिन रिपोर्ट ली जा रही है।

सुबह होते ही पहला काम गैस बुकिंग

इस समय लोगों का बस एक ही काम रह गया है कि सुबह होते ही किसी तरह वो सबसे पहले गैस एजेंसी पहुंच कर अपने गैस सिलेंडर को बुक करवा लें। एजेंसी खुलने से पहले ही उपभोक्ताओं की लाइनें लग जा रही हैं। लाइनों में लगे लोगों का कहना है कि गैस वितरण की प्रक्रिया धीमी है। डिलीवरी भी समय पर नही हो रही है। जिसके चलते उन्हें घंटों तक एजेंसी में लाइनों में खड़ा रहना पड़ रहा है। एजेंसी के बाहर बढ़ती भीड़ के कारण कई बार अव्यवस्था की स्थिति भी बन जाती है।

सिलेंडरों की जमाखोरी व कालाबाजारी पर नजर

डीसी लगातार जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर, सीएनजी तथा पेट्रोल, डीजल की आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नही होने की बात कर रहे हैं। बाकायदा खूफिया विंगें, प्रशासन गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर लगातार नजर रख रहे हैं। डीसी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि आमजन अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराहट में गैस बुकिंग न करें। जरूरत के अनुसार ही एलपीजी सिलेंडर लें ताकि आपूर्ति व्यवस्था सुचारू बनी रहे। यदि कोई व्यक्ति या एजेंसी अनियमितता करते हुए पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपभोक्ताओं को सिलेंडर बुक करना बन रहा परेशानी

गैस एजेंसी की ओर से सिलेंडर बुक करने के लिए जो मोबाइल नंबर जारी कर रखे थे, वे नंबर लग नहीं रहे हैं। जिसके कारण उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। गूगल पे, फोन पे और पेटीएम से गैस सिलेंडर की बुकिंग हो रही है। जो अनपढ़ उपभोक्ता हैं या मोबाइल नंबर पर कॉल कर सिलेंडर बुक करते थे, उन्हें परेशानी हो रही है।

जींद। प्रदर्शन के दौरान रोष जताते हुए आप कार्यकर्ता। फोटो: हरिभूमि

आमजन को उठानी पड़ रही परेशानी

'आप' ने गैस किल्लत को लेकर किया प्रदर्शन

- सड़क जाम कर बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जिले में रसोई गैस की किल्लत और बढ़ती कीमतों को लेकर शनिवार को स्थानीय रानी तालाब पर आम आदमी पार्टी की ओर से प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने की। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए गैस की आपूर्ति सुचारू कराने और कालाबाजारी पर सख्त कार्रवाई की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने कहा कि सरकार लगातार दावा कर रही है कि एलपीजी गैस की कोई कमी नहीं है और न ही कहीं कालाबाजारी हो रही है लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने आरोप लगाया कि जींद जिले के कई क्षेत्रों में पिछले कई दिनों से घरेलू गैस सिलेंडरों की भारी किल्लत बनी हुई है, जिससे आम लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बिचौलिए सक्रिय

गैस की कमी का फायदा उठाकर कुछ असामाजिक तत्व और बिचौलिए सक्रिय हो गए हैं, जो सिलेंडरों की खुलेआम कालाबाजारी कर रहे हैं। आम उपभोक्ताओं को जहां आधिकारिक रूप से गैस नहीं मिल पा रही, वहीं दूसरी ओर ऊंचे दामों पर ब्लैक में सिलेंडर आसानी से उपलब्ध हो रहे हैं। इससे लोगों में भारी रोष है। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासन से मांग की कि गैस की आपूर्ति व्यवस्था को तुरंत सुचारू किया जाए और कालाबाजारी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

गैस एजेंसी के बाहर उमड़ी भीड़

- लोगों को करना पड़ा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

क्षेत्र में गैस सिलेंडर को लेकर चल रही खबरों के बीच गैस एजेंसी पर उपभोक्ताओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर पहुंच गए, जिसके चलते लंबी कतार लग गई। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि गैस सिलेंडर की सप्लाई सीमित होने की आशंका के चलते लोग जल्दी-जल्दी सिलेंडर लेने पहुंच रहे हैं। कई ग्रामीण इलाकों से आए उपभोक्ताओं को अपनी बारी आने तक काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। एजेंसी के बाहर लंबी लाइन लगी रही, जिससे वहां भीड़ का माहौल बना रहा। कुछ लोग धूप में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि गैस की आपूर्ति नियमित और पर्याप्त मात्रा में की जाए तो ऐसी स्थिति से बचा जा सकता है।

राजौंद। गैस एजेंसी के बाहर गैस सिलेंडर लेने के लिए लगी उपभोक्ताओं की लंबी कतार। फोटो: हरिभूमि

गैस कालाबाजारी पर फूड एंड सप्लाई विभाग की कार्रवाई

- अतिरिक्त पाए गए चार गैस सिलेंडरों को भगवती गैस एजेंसी में जमा करवा दिया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह के दिशा-निर्देश में जिला जींद में अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए थाना शहर नरवाना पुलिस द्वारा फूड एंड सप्लाई विभाग के साथ मिलकर एक संयुक्त अभियान चलाया गया। थाना शहर नरवाना के प्रभारी उप निरीक्षक आत्माराम ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना शहर नरवाना की टीम ने फूड एंड सप्लाई विभाग के साथ मिलकर गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी की सूचना के आधार पर जोगिंदर वासी पंजाबी चौक नरवाना के मकान व दुकान पर छापेमारी की।

मौके पर जोगिंदर अपने मकान के बाहर फल व सब्जियों की दुकान पर मौजूद मिला। तलाशी के दौरान जोगिंदर के मकान से कुल आठ घरेलू गैस सिलेंडर बरामद हुए। इनमें से एक सिलेंडर भरा हुआ चूल्हे पर उपयोग में लगा हुआ था। जबकि 7 सिलेंडर खाली अवस्था में घर के अंदर रखे हुए पाए गए। पूछताछ के दौरान जोगिंदर द्वारा भगवती गैस एजेंसी की दो कॉपियां पेश की गई। जिनके अनुसार वह केवल चार सिलेंडर रखने का अधिकृत उपभोक्ता है।

जींद। कब्जे में लिए गए गैस सिलेंडर।

संबंधित विभाग को सूचित करें

फूड एंड सप्लाई विभाग के निरीक्षक रोहित तथा उप निरीक्षक विकास की उपस्थिति में अतिरिक्त पाए गए चार गैस सिलेंडरों को भगवती गैस एजेंसी में जमा करवा दिया गया तथा मामले की नियमानुसार जांच की जा रही है। पुलिस व संबंधित विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण तथा दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। आमजन से भी अपील की गई है कि यदि कहीं भी गैस सिलेंडरों की अवैध बिक्री या कालाबाजारी की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या संबंधित विभाग को सूचित करें ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके। जिला पुलिस द्वारा इस प्रकार की अवैध गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

रैली को लेकर माकपा ने किया जनसम्पर्क

- जन आक्रोश जत्थे ने की गांव बालू और तितरम में सभाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) द्वारा 24 मार्च को दिल्ली में आयोजित होने वाली जन आक्रोश रैली की तैयारियों को लेकर जन सम्पर्क अभियान तेज कर दिया है। पार्टी के राज्य सचिव प्रेमचंद के नेतृत्व में जिला कैथल पहुंचे राज्य स्तरीय जत्थे ने गांवों का दौरा कर ग्रामीणों को दिल्ली कूच करने का आह्वान किया।इस दौरान कलायत तहसील के गांव बालू के देवी मंदिर व गाँव तितरम के रविदास मंदिर में बड़ी सभाएं की गई। सभाओं को राज्य सचिव प्रेम चंद के अलावा पूर्व केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड इंद्रजीत सिंह, सीटू की राष्ट्रीय नेत्री ऊषा रानी, राष्ट्रीय छात्र नेता सुभाष जाखड़ ने संबोधित किया। सभाओं का संचालन जिला सचिव सतपाल आनन्द ने किया। इस दौरान छात्र नेता सुभाष जाखड़, सबिता मलिक, नरेश रोहेड़ा, जय प्रकाश, रामकली जांगड़ा सहित पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। इस मौके पर इंकलाबी जननाट्य मंच की टीम द्वारा नाटक व गीत प्रस्तुत किए। ग्रामीण सभाओं को संबोधित करते हुए राज्य सचिव प्रेमचंद ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार मनरेगा और श्रम कानूनों को कमजोर कर मजदूर वर्ग के हितों पर चोट कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की मंशा पूरी तरह से कॉर्पोरेट परस्त है और अब मजदूर वर्ग झूठ के बहकावे में आने वाला नहीं है।

कैथल। जनसभाओं को संबोधित करते छात्र नेता। फोटो: हरिभूमि

सरकार पर निशाना साधा

पूर्व केंद्रीय कमेटी सदस्य इंद्रजीत सिंह ने 'डबल इंजन' सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार बुढ़ापा पैंशन और बी. पी. एल. कार्ड काटने काम कर रही है। का युवाओं को रोजगार देने के बजाय सरकार उन्हें अपमानित कर रही है।हरियाणा की भर्तियों में प्रदेश के युवाओं की अनदेखी की जा रही है। बिजली मीटर की प्रीपेड नीति और विदेशी समझौतों से देश की संप्रभुता संकट में डाली जा रही है।

पुलिस ने चलाया जागरुकता अभियान

- यात्रियों को दी राहवीर योजना के संबंध में जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जिला पुलिस द्वारा आमजन को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लगातार अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ट्रैफिक पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। अभियान के तहत ट्रैफिक पुलिस टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर वाहन चालकों तथा स्थानीय नागरिकों को यातायात नियमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई और उन्हें सुरक्षित वाहन चलाने के लिए प्रेरित किया गया।

जींद। आमजन को राहवीर योजना की जानकारी देते हुए पुलिसकर्मी।

घायलों की मदद के लिए आगे आएं

ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर के भीतर अस्पताल या ट्रॉमा सेंटर तक पहुंचाने में मदद करता है तो सरकार द्वारा उस मददगार व्यक्ति को 25 हजार रुपये तक का पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाता है। जींद पुलिस ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना के समय घायलों की मदद करना मानवता का सबसे बड़ा कार्य है। किसी भी घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने से उसकी जान बचाई जा सकती है। इसलिए सभी नागरिक दुर्घटना की स्थिति में घायलों की मदद के लिए आगे आएं।

राजौंद ब्लॉक में बनाए यूथ क्लब

- समाजसेवी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संचालित मेरा युवा भारत केंद्र कैथल द्वारा राजौंद ब्लॉक में युवा मंडल विकास अभियान चलाया गया। ब्लॉक राजौंद की स्वयंसेविका गुरप्रीत कौर ने बताया कि अभियान के तहत 11 युवाओं की एक टीम गठित की गई है, जो गांव-गांव जाकर युवा मंडलों को सक्रिय करने का कार्य करेगी। अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में युवा मंडलों के नेटवर्क का विस्तार और उन्हें मजबूत बनाना है। इसके तहत युवाओं का माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराया जाएगा तथा उन्हें सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए नेतृत्व क्षमता और आवश्यक कौशल विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

राजौंद। युवा मंडल विकास अभियान के तहत यूथ क्लब गठन के दौरान मौजूद स्वयंसेविका व युवा सदस्य। फोटो: हरिभूमि

किठाना में भी यूथ क्लब गठित किए

इस दौरान गांव राजौंद में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी आश्रम आशा कुमारी बहन के सहयोग से तथा गांव किठाना में भी यूथ क्लब गठित किए गए। इन क्लबों के माध्यम से युवाओं को स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण और अन्य समाजसेवी गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

राष्ट्रीय लोक अदालत सस्ते न्याय का सशक्त माध्यम : सीजेएम मोनिका

लोक अदालत में 10939 केसों का निपटारा, चार करोड़ का सेटलमेंट

धन की बचत होने के साथ-साथ आपसी सौहार्द भी बना रहता है

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

जिला मुख्यालय में स्थित न्यायिक परिसर में शनिवार को राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण व हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया ।

लोक अदालत कार्यक्रम की देखरेख जिला एवं सत्र न्यायाधीश कम चेयरपर्सन पूनम सुनेजा ने की। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोनिका ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में नेहा नोहरिया अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जींद, फैमिली कोर्ट की प्रिंसिपल जज कीर्ति जैन, जसबीर एडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट, अमित सिहाग चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट, संदीप कुमार सब डिविजनल जुडिशल मजिस्ट्रेट नरवाना, अमित नैन प्रथम श्रेणी जुडिशल मजिस्ट्रेट सफीदों के बेंच गठित किए गए।

जींद। राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों का निपटान करते हुए। फोटो: हरिभूमि

कुल 12306 मामले रखे गए

लोक अदालत में कुल 12306 मामले रखे गए। इनमें से 10939 मामलों का मौके पर ही निपटा किया गया। इसमें चार करोड़ 85 लाख 67417 रुपये की राशि का सेटलमेंट किया गया लोक अदालत में कई तरह के मामले रखे गए। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी कम सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोनिका ने कहा कि लोक अदालत का लाभ अधिक से अधिक लोगों को उठाना चाहिए। क्योंकि लोक अदालत के मामले का निपटारा आपसी सहमति से होता है। जिस समय वह धन की बचत होती है वह आपसी सौहार्द भी बना रहता है। उन्होंने सभी पीठासिन अधिकारियों लोक अदालत में कार्यरत सभी कर्मचारी व अधिवक्ताओं को लोक अदालत के सुचारू रूप से संचालन के लिए धन्यवाद किया।

विशेषः विश्व खुशी दिवस, 20 मार्च

कभी दूर ना हो मन-जीवन से खुशी

आज के दौर में लोगों के पास सुख-सुविधाओं की कमी नहीं है, आर्थिक विकास भी हो रहा है, लेकिन फिर भी वास्तविक खुशी बहुत कम ही लोग महसूस कर पाते हैं। खुशी कोई चीज नहीं है, जिसे पैसा, सुख, सुविधाओं से पाया जा सकता है। खुशी तो जीवनशैली है। इसे महसूस करने के लिए अपनी सोच और जीने के अंदाज में बदलाव करना होगा।

कवर स्टोरी
लोकमित्र गौतम

वर्तमान में इंसान जितनी सुख-सुविधाओं के संग जी रहा है, अब के पहले किसी भी दौर में इसकी कल्पना तक नहीं की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि इंसान फिर भी खुश नहीं है। साल 2012 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने भी इस बात पर गहराई से सोचा और खुशी की भूटान द्वारा तय की गई अवधारणा को न केवल वास्तविक खुशी के रूप में मान्यता दी बल्कि दुनिया भर को इस तरह की खुशी हासिल करने की दिशा में प्रेरित करने के लिए 20 मार्च को अंतरराष्ट्रीय खुशी दिवस मनाए जाने की घोषणा भी की।

भूटान ने बताया जीएनएच का महत्व

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व खुशी दिवस मनाने के संबंध में निर्णय लेते हुए यह माना कि आर्थिक विकास के साथ-साथ लोगों की खुशी और कल्याण की वैश्विक नीतियों का लक्ष्य ही वास्तविक खुशी होती है। इसकी बुनियाद में भूटान की जो खुशी संबंधी अवधारणा थी, वह खुशी को सकल घरेलू उत्पाद के रूप में मान्यता देने की थी। भूटान ने वास्तव में जीडीपी की जगह जीएनएच यानी 'ग्रॉस नेशन हैप्पीनेस' की अवधारणा प्रस्तुत की थी। संयुक्त राष्ट्र ने इसे विश्व स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए ही 20 मार्च को वैश्विक खुशी के दिन के रूप में मान्यता दी और तब से हर साल यह दिन मनाया जाता है।

ऐसे बनती है हैप्पीनेस रिपोर्ट

विश्व खुशी दिवस के मौके पर हर साल वर्ल्ड हैप्पीनेस रिपोर्ट जारी की जाती है, जिसमें दुनिया के अलग-अलग देशों के लोगों की कुछ निश्चित पैमानों के मुताबिक उनकी खुशी का आकलन किया जाता है। इस पैमाने के तहत खुशी के लिए जो मानक तय किए जाते हैं, उसमें किसी व्यक्ति के लिए मौजूद सामाजिक समर्थन, उसकी आय और उसका जीवन स्तर, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, व्यक्तिगत आजादी, उस देश और समाज में भ्रष्टाचार का स्तर, वहां के लोगों के बीच आपसी विश्वास और जीवन संबंधी उदारता को पैमाना बनाया जाता है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले कई सालों से दुनिया के सबसे खुश देशों में फिनलैंड, डेनमार्क, आइसलैंड और स्वीडन जैसे देश लगातार शीर्ष पर बने हुए हैं, क्योंकि इन देशों में बेहतर सामाजिक सुरक्षा, संतुलित जीवनशैली और सामुदायिक विश्वास को खुशहाली का मुख्य कारण माना जाता है। दुर्भाग्य से हमारे अपने देश की स्थिति इस रिपोर्ट में अपेक्षाकृत काफी नीचे रही है। इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में खुशी पाने के लिए आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक और मानसिक संतुलन पर भी ध्यान देना जरूरी है।

खुशी दिवस मनाने का उद्देश्य

विश्व खुशी दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव भर नहीं है। यह आधुनिक जीवन की कई गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान दिलाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक दुनिया में आज करोड़ों लोग तनाव, अवसाद और चिंता जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा, नौकरी के दबाव, आर्थिक चिंताएं और सामाजिक अपेक्षाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। ऐसे माहौल में खुशी और मानसिक संतुलन को प्राथमिकता देना बेहद जरूरी हो गया है। चूंकि आज सफलता को लोग पद, पैसा और प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। ऐसे में विश्व खुशी दिवस हमें याद दिलाता है कि जीवन की यह वास्तविक सफलता, मानसिक संतोष और रिश्तों की गर्माहट में ही होती है।

असंतोष से दूर हो रही खुशी

देखने में आता है कि सोशल मीडिया की वजह से पहले की तुलना में लोग आपस में कहीं ज्यादा जुड़े रहते हैं। लेकिन हकीकत यह है कि लोगों के बीच से सामाजिक संबंध आज बेहद कमजोर हो गए हैं। अकेलापन आज कई देशों में एक बड़ी सामाजिक समस्या बन चुका है। ऐसे में यह खुशी दिवस हमें परिवार, मित्रों और समाज के साथ वास्तविक जुड़ाव की अहमियत बताता है। किसी देश-समाज में चाहे जितना भी आर्थिक विकास हो गया हो, लेकिन अगर वहां लगातार तनाव रहता है, लोग अनेक किस्म के असंतोषों के साथ जी रहे होते हैं, तो वह विकास अधूरा ही कहलाएगा। इसलिए आज कई अर्थशास्त्री तथा नीति-निर्माता जीवन की गुणवत्ता को विकास का महत्वपूर्ण मापदंड मानते हैं। यही वजह है कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में लोगों के पास जीवन जीने के साधन चाहे जितने बढ़ गए हों, लेकिन वह खुशी के मामले में अतीत से काफी पिछड़े हुए हैं।

प्रकृति से दूरी ने कम की खुशी

यकीनन, मोबाइल फोन ने हमारे रोजमर्रा के जीवन के काम-काज को तो आसान बनाया है, लेकिन इसकी वजह से लगातार हम जितने ज्यादा लोगों के संपर्क में रहते हैं, हमारे असंतुष्ट और तनावग्रस्त होने की उतनी ही अधिक आशंका मौजूद रहती है। आज दुनिया के 97 फीसदी से ज्यादा लोग किसी न किसी वजह से अपने आपको इतिहास के किसी भी दूसरे समय के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यस्त पा रहे हैं। यही कारण है कि आज दुनिया में आधे से ज्यादा लोगों का प्रकृति के साथ पहले जो सीधा रिश्ता हुआ करता था, वह रिश्ता पूरी तरह से खत्म हो गया है। जिन लोगों का थोड़ा बहुत रिश्ता बचा भी है, वह बेहद औपचारिक तथा लेन-देन का हो गया है। प्रतिस्पर्धा की लगातार बढ़ती आदत हमें प्राकृतिक रूप से खुश नहीं रहने देती है। ऐसे में इस खुशी दिवस के मौके पर हर किसी को यह अपने मन में गांठ बांध लेनी चाहिए कि जीवन की असली सफलता और उपलब्धियां कहीं पहुंच जाना भर नहीं है बल्कि कहीं पहुंचकर भी खुश और संतुलित जीवन बिताना ही सही मायनों में जिंदगी की समग्र खुशी है। *

हमारे भीतर होते हैं खुशी के रसायन

आधुनिक मनोविज्ञान काफी पहले यह साबित कर चुका है कि खुशी को केवल भावनात्मक अनुभव ही नहीं बल्कि मानसिक और जैविक प्रक्रिया भी समझा जाता है। जब हम खुश होते हैं तो वैज्ञानिकों के मुताबिक हमारे शरीर में से कई महत्वपूर्ण रसायनों का स्राव होता है, जैसे डोपामाइन जो हमें प्रेरणा और आनंद की स्थिति में ले जाता है। सेरोटोनिन, जो मन को स्थिर और संतुलित बनाए रखता है। इसी क्रम में ऑक्सीटोसिन एक ऐसा रासायनिक स्राव है, जो हममें सामाजिक संबंधों और विश्वास से जुड़े हार्मोन पैदा करता है, जिससे कि हम खुश रहते हैं और एक-दूसरे के प्रति लगाव महसूस करते हैं। इसी तरह एंडोर्फिन भी इसी क्रम का एक हार्मोन है, जो खुश रहने पर हमारे शरीर में पैदा होता है और जिससे हम अपने दर्द को कम करने व खुशी को बढ़ाने में कामयाब होते हैं।

जीवनशैली
शिखर चंद जैन

वैसे तो खुशी पाने के लिए अपने स्तर पर आप हर संभव प्रयास करते ही होंगे। लेकिन यहां हम कुछ ऐसे छोटे-छोटे आसान और नायाब तरीकों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आपको जिंदगी में भरपूर खुशी हासिल होगी।

आपको खुशियों से भर देंगे ये आसान-नायाब तरीके

इस दुनिया का हर इंसान खुशी हासिल करना चाहता है। लोग खुशी के लिए न जाने कितने जतन करते हैं। लेकिन कई बार खुशी बड़ी-बड़ी चीजों से नहीं मिल पाती बल्कि छोटी-छोटी सी कोशिशों से मिल जाती है।

इमेजिनेशनः केवल 30 सेकेंड के लिए कल्पना करें कि जो चीजें आपके पास हैं (जैसे आपका घर, पसंदीदा डिवाइस या कोई प्यारा रिश्ता) वो आपके पास नहीं हैं। इनकी अनुपस्थिति वाली स्थिति से जब आप हकीकत में लौटेंगे और अपने पास इन चीजों को पाएंगे तो आपको उन चीजों के होने की असली खुशी भीतर तक महसूस होगी।

भविष्य के नाम खतः आने वाले कुछ वर्षों बाद जैसे जीवन की चाहत आप करते हैं, उसको ध्यान में रखते हुए 'स्वयं' को अपनी आज की खुशियों और सपनों के बारे में एक पत्र लिखें और उसे छिपा दें। जब कभी आप उसे पढ़ेंगे, खुशी मिलेगी।

पुराने किस्सों का पिटाराः बचपन की सुखद यादें या परिवार के साथ बिताई गई छुट्टियां 'हैप्पीनेस एंकर' की तरह काम करती हैं, जो भविष्य में कठिन समय आने पर हमें सहारा देती हैं। परिवार या पुराने दोस्तों को फोन करें और पुरानी यादें ताजा करें। अच्छी यादें दिल और दिमाग को सुकून देती हैं। बुजुर्गों से उनके चटपटे अनुभव और सीख देने वाली दिलचस्प कहानियां सुनना भी सुकून देता है।

साइलेंट डिस्को पार्टीः घर पर अकेले या परिवार के साथ हेडफोन लगाकर अपनी पसंद के गानों पर कुछ देर नाचें। इससे बिना किसी शोर-शराबे के तनाव कम होगा, मूड अच्छा होगा और आपको खुशी मिलेगी।

बच्चों वाली शरारतेंः जब कभी मन करे चॉक लेकर स्लेट पर या पेन, पेंसिल से कॉपी में कुछ मजेदार चित्र बनाएं या हॉप-स्कॉच (पकड़ा-पकड़ी) जैसा कोई खेल खेलें। अपने 'इनर चाइल्ड' को बाहर लाना खुशी का बेहतरीन स्रोत है। कभी-कभी बच्चों की तरह बिना किसी खास वजह के जोर से हंसने की कोशिश करें। यह शरीर में एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज करता है, इससे मूड तुरंत हैप्पी फील करता है।

पास्ट-सेल्फ को 'थैंक यू' कहेंः केवल भविष्य की चिंता करने की बजाय, हर हफ्ते कुछ मिनट निकालकर अपने 'पुराने स्वरूप' को धन्यवाद दें। अपने पुराने स्वरूप को धन्यवाद कहना खुद से जुड़ने और अपनी प्रगति को सराहने का एक खूबसूरत तरीका है। जैसे मुश्किल समय में डटे रहने के लिए, सही चुनाव करने के लिए, सीखने और बढ़ने के लिए, खुद पर विश्वास रखने के लिए, धैर्य के लिए।

द मिस्टेक सेलिब्रेशनः जब आपसे कोई छोटी गलती हो जाए, तो उस पर झुंझलाने के बजाय मुस्कुराएं और कहें, 'वाह, एक और सीख मिली!' अपनी गलतियों को उत्सव की तरह देखने से तनाव कम होता है।

नकली मुस्कान का जादूः विज्ञान कहता है कि भले ही आप अंदर से खुश न हों, लेकिन शीशे में देखकर जबरदस्ती मुस्कुराने से दिमाग में खुशी वाले न्यूरोकेमिकल्स रिलीज होते हैं। इससे खुशी का अहसास होता है। इसे 'फेक इट टिल यू मेक इट' कहते हैं।

मिट्टी से जुड़ावः नंगे पैर मिट्टी या घास पर चलें। यह शरीर की इलेक्ट्रिकल ऊर्जा को संतुलित करता है और मन को शांत-खुश रखने में मदद करता है।

घर की सजावट बदलेंः अपने रहने की जगह को व्यवस्थित करें। साफ-सुथरा और सजा हुआ घर मानसिक शांति और खुशी देता है।

पेड़ों-पक्षियों को निहारनाः पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों को निहारना मन को सुकून देता है। केवल एक मिनट के लिए किसी ऊंचे पेड़ को ऊपर की ओर देखें। यह आपको रोजमर्रा की भाग-दौड़ में ठहरने और प्रकृति से जुड़ाव महसूस कराएगा। किसी पार्क में बैठें और बस पक्षियों की चहचहाहट और हरकतों पर ध्यान दें। शोध बताते हैं कि पक्षियों के संग समय बिताने से खुशी मिलती है।

वर्क प्लेस के लिएः ऑफिस में तनाव को कम करने और छोटी-छोटी खुशियां ढूंढ़ने के लिए अपनी डेस्क पर ऐसी चीजें रखें, जो आपको मुस्कुराने पर मजबूर कर दें, जैसे कोई मजेदार मैग्नेट, छोटा पौधा या अपनी पसंदीदा वैकेशन की फोटो। बोरियत या स्ट्रेस के समय, दिन भर की छोटी-छोटी उपलब्धियों को लिखें। यह आपको एहसास कराएगा कि आप प्रगति कर रहे हैं। हर एक घंटे में 2-3 मिनट के लिए अपनी सीट से उठें। गहरी सांस लें या बस थोड़ा चलें, इससे दिमाग को ताजगी-खुशी मिलती है। *

लघुकथा / रंजना जायसवाल

राजा बेटा

आज सुबह से माया को अपने बेटे विक्रम की बहुत याद आ रही थी। उसे आज भी वह दिन याद है, जब वह उसका आंचल पकड़े दिन भर इधर से उधर घूमता रहता था। उसकी इस हरकत पर उसका नाम ही पड़ गया था पिछलग्गू। पर वक्त के साथ कितना कुछ बदल गया था। बगल वाली शुक्ला भाभी अपने दो छोटे बच्चों को छोड़ जब इस दुनिया से चली गई थीं। कितना डर गया था विक्रम। कहीं उसकी मां भी शुक्ला आंटी की तरह...।

उनके बच्चे बार-बार यही कहकर रो रहे थे, 'अब हम बिल्कुल शैतानी नहीं करेंगे, मां आप वापस आ जाओ।' बेचारे कहां जानते थे उनकी मां तो ऐसी दुनिया में चली गई थीं जहां से कोई लौटकर नहीं आता। विक्रम ने सहम कर पूछा था, 'मां! आप तो मुझे छोड़कर कहीं नहीं जाएंगी न'

'तुझे छोड़कर भला मैं कहां जा सकती हूं। तू तो मेरा राजा बेटा है।'

माया ने विक्रम के भोले चेहरे को पुचकारते हुए कहा था। 'और मां आप? राजा की मां तो रानी मां हुई न' वह खिलखिला कर हंस पड़ी थीं, 'हां बिल्कुल।'

'रानी मां कहां रहती हैं?' विक्रम के सवाल खत्म होने को नहीं आते थे। 'वोवो तो महलों में रहती हैं, अपने राजा बेटे के साथ।'

'मैं भी आप के साथ महलों में रहूंगा' विक्रम खुशी से चिल्ला पड़ा था, उसकी इस हरकत से उनकी आंखें भर आईं थीं। तभी एक तेज आवाज से माया की तंद्रा टूटी। वह वर्तमान में लौटी। उसकी नजर आश्रम के बोर्ड पर पड़ी जहां बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा था 'वृद्धाश्रम।'

वह मन ही मन बुदबुदाई, 'राजा बेटे ने तो रानी मां के साथ रहने का वायदा किया था पर वह उन्हें यहां छोड़कर क्यों चला गया?' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मर्मस्पर्शी लघुकथाएं

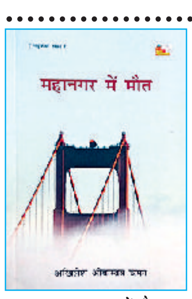

पुस्तकः महानगर में मौत, **लेखकः** अखिलेश श्रीवास्तव चमन, **मूल्यः** 225 रुपए, **प्रकाशकः** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

वरिष्ठ साहित्यकार अखिलेश श्रीवास्तव चमन का नया लघुकथा संग्रह 'महानगर में मौत' कुछ समय पूर्व छपकर आया है। इसमें कुल जमा 55 लघुकथाएं संकलित हैं। ये लघुकथाएं अपने छोटे कलेवर में भी जीवन से जुड़े तमाम पहलुओं की श्याम-श्वेत छवियां उजागर करती हैं। महानगरीय जीवनशैली ने किस तरह हमें संवेदनशून्य बना दिया है और हमारे रिश्तों में से भावनात्मक जुड़ाव छीजता जा रहा है, इसकी बानगी 'महानगर में मौत' और 'बीमारी' लघुकथाओं में देखी जा सकती है। हमारे समाज में सांप्रदायिकता और जातिवाद आज भी किस कदर हावी है और इस मानसिकता का स्वार्थी लोग कैसे दुरुपयोग करते रहते हैं, इसे प्रभावी तरीके से 'राजनीति' और 'इंटरव्यू' में पढ़ सकते हैं। 'अजूबा' और 'गाली' जैसी कुछ लघुकथाओं में लेखक ने आज के दौर की जीवनशैली और नेताओं पर कटाक्ष किया है। कह सकते हैं कि ये लघुकथाएं हमारे समय के विद्रूप को मार्मिकता से व्यक्त करती हैं। *

व्यंग्य / पंकज प्रसून

घर पहुंचा विश्व युद्ध!

कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे।

एआई इमेज

आजकल मेरी रीढ़ की हड्डी के स्थान पर 55 इंच का एक एलईडी पैनल फिट हो चुका है, जिस पर चौबीसों घंटे ब्रेकिंग न्यूज का हड़कंप मचा रहता है। मेरा हाल यह है कि मैं अपने घर के सोफे के बजाय एक अभेद्य बंकर में विराजमान होता हूं। शाम के सात बजने पर जैसे ही न्यूज चैनल चालू होता है, मेरे ड्राइंग रूम में भी जैसे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज हो जाता है। एंकर महोदय इस तरह चिल्लाते हैं मानो मिसाइल का पिछला हिस्सा उन्हीं के स्टूडियो में रखा हो और वे बस माचिस दिखाने ही वाले हों। उनके चिल्लाने की आवृत्ति इतनी तीव्र होती है कि घर की छिपकलियां तक सरेंडर कर देती हैं।

मेरी इंद्रियों का पूरी तरह सैन्यीकरण हो चुका है। कल दोपहर किचन में दाल पक रही थी। जैसे ही कुकर की सीटी बजी, मैं डाइनिंग टेबल के नीचे दुबक गया। मुझे लगा ईरान ने इजराइल के चक्कर में मिसाइलें इधर ही दाग दी हैं और अब अगला सायरन साक्षात यमराज ही बजाएंगे। पत्नी ने तंज कसा, 'उठिए महाराज, यह कोई 'आयरन डोम' फेल होने की आवाज होने से रही, अरहर की दाल है, तीन सीटी में गलती है।' मगर उसे क्या पता कि जिसे वह दाल कहती है, मुझे उसमें बारूद की गंध आती है। शाम को पड़ोस का बच्चा छत पर पतंग उड़ा रहा था, नीले आसमान में वह लाल पतंग मुझे साक्षात किलर-ड्रोन नजर आई। मैं वहीं बालकनी में लेट गया और रेंगते हुए अंदर आया। मुझे पूरा यकीन था कि यह पतंग महज कागज का टुकड़ा होने के बजाय मोसाद द्वारा भेजा गया कोई सर्वेक्षण यान है, जो मेरी फटी हुई बनियान की जासूसी कर रहा है।

फेसबुक खोलता हूं तो लगता है कि देश का हर वह व्यक्ति, जिसके पास डेढ़ जीबी का डेटा पैक है, वह व्हाइट हाउस का मुख्य सलाहकार बना बैठा है। जिस आदमी को यह पता तक है कि पड़ोस की गली में नाली क्यों जाम है, वह भी फेसबुक पर दुनिया का नक्शा लेकर समझा रहा है कि ईरान को मिसाइलें किस एंगल से छोड़नी चाहिए थीं। हमारे मित्र वर्मा जी, जो मोहल्ले की क्रिकेट टीम में 'एक्स्ट्रा' खिलाड़ी बनने के लायक भी नहीं समझे जाते, फेसबुक पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बने घूम रहे हैं। उन्होंने पोस्ट डाली है- 'अगर मैं नेतन्याहू की जगह होता, तो अब तक बटन दबा चुका होता।' नीचे उनके साढ़ू ने कमेंट किया है, 'भाई साहब, पहले सुबह मोटर चलाकर पानी तो भर लिया कीजिए, भाभी चिल्ला रही हैं।' न्यूज चैनलों पर बैठने वाले रक्षा विशेषज्ञ तो और भी अद्भुत हैं। वे ऐसे चहकते हैं जैसे युद्ध के बजाय गांव का मेला चल रहा हो। एक रिटायर्ड सैन्य अधिकारी ने पेन उठाकर नक्शे पर ऐसी लकीर खींची जैसे वे स्कूल में बच्चों को 'क' से कबूतर सिखा रहे हों। उन्होंने कहा, 'देखिए, यहां से मिसाइल जाएगी और सीधे किचन में गिरेगी।' मैंने डर के मारे चाय का कप नीचे रख दिया, कहीं मिसाइल मेरी चाय में ही लैंड न कर जाए।

ऑफिस से घर लौटकर चैन की उम्मीद थी, मगर वहां द्विपक्षीय वार्ता पहले ही विफल हो चुकी थी। पत्नी ने पूछा, 'सब्जी लाए?' मैंने कहा, 'युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव है, टमाटर की कीमतों ने बैलिस्टिक मिसाइल की गति पकड़ ली है।' पत्नी का पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। उसने जो 'वाक-युद्ध' शुरू किया, उसके सामने न्यूज चैनल के एंकर भी पानी भरें। उसने कहा, 'ये जो चौबीस घंटे टीवी देखते हो, इससे दिमाग का सॉफ्टवेयर करप्ट हो गया है। घर में गृहयुद्ध की स्थिति है और तुम्हें ईरान-इजराइल की चिंता है।' झगड़ा बढ़ा तो उसने बेलन हाथ में उठा लिया। उस क्षण मुझे अहसास हुआ कि असली हाइपरसोनिक वेपन तो यही है। मैंने तुरंत युद्धविराम की घोषणा कर दी। बिना शर्त माफी मांगना ही सबसे सुरक्षित डिफेंस सिस्टम है।

रात को जब टीवी बंद करता हूं और सन्नाटा छाता है, तो दिल के किसी कोने में एक सिहरन दौड़ जाती है। टीवी के पर्दे पर जो आग दिखती है, वह दूर किसी के घर को सचमुच राख कर रही होती है। आसमान में उड़ती पतंग जब ड्रोन लगने लगे और कुकर की सीटी सायरन बन जाए, तो समझ लेना चाहिए कि युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने के बजाय हमारे दिमागों के भीतर घुसकर बमबारी कर रहा है। हम सब एक ऐसे 'वॉर जोन' में जी रहे हैं, जहां शांति एक ब्रेकिंग न्यूज बनकर रह गई है और हमारी संवेदनाएं कहीं मलबे में दबी पड़ी हैं। मिसाइल शायद मेरे घर पर गिरने से रही, मगर उस डर की मिसाइल ने मेरे सुकून को तो जख्मी कर ही दिया है। टीवी का रिमोट हाथ में है, पर जीवन का कंट्रोल शायद उन लोगों के हाथ में है, जो युद्ध की कमेंट्री बेचकर अपना घर चला रहे हैं। *

सेलेब्स लाइफस्टाइल / दिव्यज्योति 'नंदन'

अपनी फिजिकल और मेंटल फिटनेस के लिए कई बॉलीवुड सेलिब्रिटीज योग का अभ्यास करते हैं। अच्छी बात यह है कि उनसे इंस्पायर होकर उनके फैंस भी योगा करते हैं। यहां बता रहे हैं, कुछ योगा लवर स्टार्स और उनके फेवरेट योगासनों के बारे में।

इन बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की फिटनेस का राज है योग

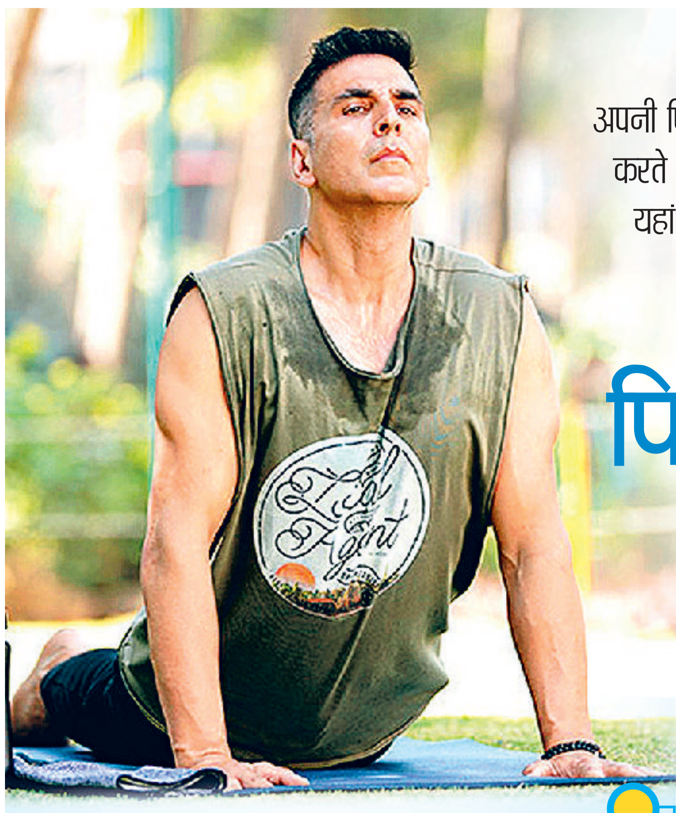

अक्षय कुमार योग बनाता है मजबूत-ऊर्जावान

अक्षय कुमार को बॉलीवुड का सबसे अनुशासित और फिट अभिनेता माना जाता है। वह सुबह 4 बजे उठते हैं, रात में 9 बजे तक सो जाते हैं। अक्षय सुबह उठकर जॉगिंग करने के बाद अष्टांग योग, सूर्य नमस्कार, प्राणायाम और ध्यान नियमित रूप से करते हैं। उनका मानना है कि योग शरीर को भीतर से मजबूत बनाता है और उम्र बढ़ने के बावजूद ऊर्जा बनाए रखता है। उनकी फुर्ती का सबसे बड़ा कारण योग अभ्यास ही है। वह जिन योगासनों को खासतौर से करते हैं, उनमें भुजंगासन, वृक्षासन और अनुलोम-विलोम प्राणायाम शामिल हैं। *

शिल्पा शेट्टी योग रखे फिजिकली-मेंटली फिट

बॉलीवुड और नए जमाने की महिलाओं में योग को लोकप्रिय बनाने में शिल्पा शेट्टी का बड़ा योगदान है। शिल्पा शेट्टी अपनी योग गतिविधियों की सीडी और डीवीडी बनाया करती थीं। अब वे सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को योगा के लिए इंस्पायर करती हैं। आज भी पूरी तरह से फिट शिल्पा शेट्टी आमतौर पर हठ योग, पावर योग और फ्लैक्सिबिलिटी बेस्ड आसनों पर विशेष ध्यान देती हैं। शिल्पा शेट्टी जिन योगासनों को नियमित तौर पर करना पसंद करती हैं, उनमें शीर्षासन, नौकासन, धनुरासन और त्रिकोणासन शामिल हैं। शिल्पा शेट्टी का मानना है कि योग केवल आपको शारीरिक रूप से ही फिट नहीं रखता बल्कि मानसिक तौर पर भी स्वस्थ बनाता है। *

मलाइका अरोड़ा संतुलन बनाने में सहायक योग

50 साल की उम्र पार करने के बाद भी मलाइका अरोड़ा की फिटनेस चर्चा का विषय रहती है। मलाइका नियमित रूप से हठ योग, अष्टांग योग और पावर योग करती हैं। मलाइका अरोड़ा को जो आसन खास तौर पर पसंद हैं, उनमें शीर्षासन, चक्रासन और सूर्य नमस्कार शामिल हैं। मलाइका का मानना है कि योगासन सिर्फ बॉडी को शेप ही नहीं देते बल्कि आपको अनुशासित भी करते हैं। इससे शरीर को संतुलित बनाए रखने में मदद मिलती है। *

करीना कपूर गर्भावस्था में बताई योग की महत्ता

करीना कपूर अपनी गर्भावस्था के दौरान नियमित रूप से योग करती थीं और योग करते हुए उनके वीडियोज सोशल मीडिया में खूब वायरल होते थे। यही कारण है कि उनकी प्रेरणा से अनेक युवतियों ने गर्भावस्था में भी योग करना शुरू किया। करीना कपूर योग के जरिए पोस्ट डिलीवरी फिटनेस आइकन बनीं। वे मुख्य रूप से प्रीनेटल योग, पिलेट्स योग, मिक्स योग और ध्यान करती हैं। उनका कहना है कि योग की वजह से पोस्ट डिलीवरी टाइम में जल्द से जल्द रिकवर करने और अपना बेहतर स्टेमिना पाने में वह सफल रही हैं। करीना कपूर जिन आसनों को खासतौर पर करना पसंद करती हैं, उनमें बृहद्कोण आसन, ताड़ासन, सुखासन और कुछ प्राणायाम हैं। *

टाइगर श्रॉफ मार्शल आर्ट्स के साथ योगाभ्यास

सबसे लचीली और चुस्त-दुरुस्त बॉडी वाले नई पीढ़ी के एक्टर्स में टाइगर श्रॉफ भी शामिल हैं। अपनी जबर्दस्त एथलेटिक बॉडी की वजह से टाइगर बहुत से युवाओं के फिटनेस आइकन हैं। टाइगर श्रॉफ वास्तव में मार्शल आर्ट्स और योग के मिश्रण का अभ्यास अपनी फिटनेस के लिए करते हैं। टाइगर मूलतः स्ट्रेचिंग आधारित आसनों पर जोर देते हैं ताकि उनका शरीर न केवल लचीला बना रहे बल्कि फिल्म की शूटिंग के दौरान लगने वाली चोटों से भी सुरक्षित रहे। टाइगर जो आसन करना पसंद करते हैं, उनमें हनुमान आसन, अधोमुख श्वानासन, वृक्षासन और प्राणायाम प्रमुख हैं। *

अनोखे ढंग से बनाई जाती हैं ये सबसे महंगी कॉफियां

रोचक / रजनी अरोड़ा

कॉफी तो आप अक्सर पीते ही होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कॉफी की कुछ वैरायटीज की कीमत हजारों रुपए किलो तक होती है? अगर आप भी कॉफी-लवर हैं, तो दुनिया की इन चुनिंदा महंगी कॉफियों के बारे में जरूर जानना चाहेंगे।

इसमें कोई दो राय नहीं कि जब सुस्ती या थकान महसूस हो रही हो तब एक कप गर्मा-गर्म कॉफी एनर्जी-बूस्टर का काम करती है। आज दुनिया भर में कॉफी की ढेरों वैरायटीज उपलब्ध हैं। कई अलग-अलग तरीकों से तैयार की जाने वाली इन कॉफियों के स्वाद ही नहीं, कीमतों में भी विविधता देखने को मिलती है। कॉफी की कुछ वैरायटीज की कीमत तो आसमान छूती है, फिर भी कॉफी-लवर इन्हें बड़े चाव से पीते हैं। दरअसल, इन कॉफी को बेशकीमती बनाती हैं इनकी प्रोसेसिंग यानी बनाने के अजीबो-गरीब तरीके। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

कोपी लुवाक या सिवेट कॉफी: इंडोनेशिया की पहचान है यह कॉफी। इस कॉफी को एशियन पाम सिवेट यानी लुवाक बिल्ली को खिलाकर प्रोसेस किया जाता है। सिवेट को पूरी तरह पकी हुई और मीठी कॉफी बींस खिलाए जाते हैं। उसकी आंतों के पाचक

एंजाइम्स, बींस के गूदे को पचा लेते हैं और बीजों को फर्मेंट करके उनकी कड़वाहट कम कर देते हैं। बीज डाइजेस्ट न हो पाने के कारण मल के जरिए बाहर निकल जाते हैं। फिर इन बीजों को साफ कर सुखाया जाता है। फिर रोस्ट कर कॉफी बनाई जाती है। सिवेट कॉफी, कैरेमल और चॉकलेट फ्लेवर की होती है। यह कॉफी करीब एक लाख रुपए प्रति किलो कीमत में बिकती है।

फिंका एल इंजेर्तो: ग्वाटेमाला में मिलने वाली यह कॉफी अपनी प्रीमियम क्वालिटी के लिए मशहूर है। इसके लिए पीबेरी कॉफी बींस का उपयोग किया जाता है, जिसकी खेती बहुत सीमित मात्रा में होती है। बींस को नियंत्रित फर्मेंटेशन और प्राकृतिक रूप से धूप में सुखाया जाता है। छोटे-छोटे बैच में हल्का रोस्ट कर कॉफी तैयार की जाती है। फूलों जैसी सुगंध और वाइन सरीखे स्वाद वाली यह कॉफी लग्जरी कॉफी कॉम्पिटिशन में कई बार हाई रैंक पा चुकी है। यह कॉफी करीब 90 हजार रुपए प्रति किलो में बिकती है।

ब्लैक आइवरी: थाईलैंड में मशहूर इस कॉफी को बनाने के लिए हाथियों की मदद ली जाती है। हाथी पकी हुई अरेबिका कॉफी बींस खाते हैं, जिन्हें वे पाचन क्रिया

धीमी होने की वजह से ठीक तरह से पचा नहीं पाते। उनके मल से बीजों को इकट्ठा करके कॉफी बनाई जाती है। यह कॉफी चॉकलेटी हल्की मिठास लिए होती है और इसमें कड़वाहट न के बराबर होती है। ब्लैक आइवरी कॉफी की कीमत करीब 80 हजार रुपए प्रति किलो होती है।

सेंट हेलेना: यह कॉफी अटलांटिक महासागर के मध्य में बसे सेंट हेलेना नामक छोटे-से द्वीप में उगाई जाती है। यह कॉफी दुर्लभ हरे बॉर्बन बीजों को प्राकृतिक तौर

पर हवा में सुखाकर और हल्का रोस्ट करके बनाई जाती है। इस कॉफी का स्वाद हल्का खट्टा, मसालेदार और वाइन जैसा होता है। सदियों पहले इटली के राजा नेपोलियन के समय में भी इसके प्रमाण मिलते हैं। आज इसकी कीमत करीब 70 हजार रुपए प्रति किलो है। *

चिंता / के.पी. सिंह

अब क्यों नहीं दिखती फुदकती-चहकती गौरैया

साल 2010 में भारत के पर्यावरण कार्यकर्ता मोहम्मद दिलावर और उनकी संस्था 'नेचर फॉर एवर सोसायटी' ने जब यह देखा कि देश में पाई जाने वाली घरेलू चिड़िया यानी गौरैया तेजी से कम हो रही है, तो उन्होंने दुनिया के पर्यावरण विशेषज्ञों का ध्यान इस ओर खींचने के लिए 20 मार्च 2010 को गौरैया दिवस मनाने की घोषणा की। बाद में उनकी पहल को पर्यावरण और पारिस्थितिकी विशेषज्ञों द्वारा सराहा गया। फ्रांस की वन्यजीव संस्था 'ईको-से-फाउंडेशन' ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। तब से 20 मार्च को विश्व गौरैया दिवस दुनिया के 50 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है।

पर्यावरण के लिए चिंताजनक: वास्तव में गौरैया एक इंडीकेटर स्पेसीज है। इंडीकेटर स्पेसीज उन जंतु प्रजातियों को कहते हैं, जिनके कम होने या संकटग्रस्त होने का मतलब होता है कि इंसानों की दुनिया में भी संकट आने वाला है। गौरैया की संख्या का घटना गंभीर पर्यावरण-पारिस्थितिकी की निशानी होती है। गौरैया, इंसानी समाज के लिए विशेषकर कृषि आधारित समाजों के लिए इसलिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसका बेसिक यानी बुनियादी भोजन कीट है। जब गौरैया की संख्या अच्छी खासी होती है, तो खेती में लगने वाले कीटों की समस्या नहीं रहती। क्योंकि गौरैया कृषि वातावरण से सारे कीटों को चट कर जाती है।

संख्या में हुई भारी कमी: विशेषज्ञों के अध्ययन से पता लगा कि भारत के शहरी क्षेत्रों में गौरैया की संख्या में 60 से 80 फीसदी तक की कमी हो गई है। सबसे ज्यादा यह कमी दिल्ली, बेंग्लुरु और मुंबई में देखने को मिली। इसी कारण साल 2012 में दिल्ली सरकार ने गौरैया को राज्य पक्षी घोषित किया। जहां तक इनकी संख्या में लगातार कमी होने की वजहों का सवाल है तो पिछली सदी के 80 और 90 के दशक तथा इस सदी के शुरुआती दशकों में जिस तरह से भारत में शहरीकरण का विस्तार हुआ है और कंकरीट के जंगल बढ़े हैं, उसके चलते गौरैया के आवास की सबसे बड़ी समस्या उठ खड़ी हुई है। इसके बाद हाल के दशकों में बेशुमार मोबाइल टावर से निकलने वाली विकिरणों को भी गौरैया की संख्या में कमी का कारण माना जा रहा है। हालांकि इस संबंध में वैज्ञानिक रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इनके अलावा बढ़ता प्रदूषण, कीटनाशकों का अधिक इस्तेमाल भी इनकी घटती संख्या के लिए जिम्मेदार हैं।

लोगों में बढ़ी सजगता: जब से गौरैया दिवस मनाया जाना शुरू हुआ है, आम शहरी लोग गौरैया के महत्व को समझने लगे हैं और उसके संरक्षण के लिए जो कुछ हो सकता है, करने का प्रयास भी करने लगे हैं। आप भी अपनी बालकनी या छत पर कटोरी में अनाज के दाने और पानी की प्याली रख सकते हैं। गार्डन में झुरमुट वाले पौधे लगा सकते हैं। *

जागरूकता / अंजू जैन

हमें जीवनदायी ऑक्सीजन और अनेक उपयोगी वस्तुएं प्रदान करने वाले वन, किसी अनमोल खजाने से कम नहीं हैं। इसलिए हमें इनके संरक्षण के प्रयास करने चाहिए।

प्रकृति का अनमोल खजाना वन

आपने क्या कभी सोचा है, अगर जंगल न होते तो हमारी दुनिया कैसी होती? जंगल सिर्फ पेड़ों का समूह भर नहीं होते हैं, बल्कि वे धरती के 'फेफड़े' जैसे होते हैं, जो हमें सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा देते हैं। वनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही हर साल 21 मार्च को अंतरराष्ट्रीय वन दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष के लिए इस विशेष दिन की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं' निश्चित की गई है।

वन दिवस की शुरुआत: पिछली सदी में विश्व वन दिवस की शुरुआत का विचार आया। सबसे पहले वर्ष 1971 में यूरोपीय कृषि संघ की बैठक में इसे मनाने का विचार पेश किया गया था। बाद में 28 नवंबर 2012 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने एक प्रस्ताव पारित किया और हर साल 21 मार्च को आधिकारिक रूप से वन दिवस मनाने की घोषणा की। पहला अंतरराष्ट्रीय वन दिवस 21 मार्च 2013 को मनाया गया था।

इस वर्ष की थीम: इस वर्ष वन दिवस की थीम 'वन और अर्थव्यवस्थाएं', अर्थव्यवस्था में वनों के योगदान को रेखांकित करती है। जंगल न केवल पर्यावरण के लिए जरूरी हैं, बल्कि वे हमारे देश और दुनिया की अर्थव्यवस्था चलाने में भी बहुत मदद करते हैं। दुनिया भर में लाखों लोग वनों से जुड़े कामों, जैसे वन प्रबंधन, पर्यटन और शोध के जरिए अपनी आजीविका कमाते हैं। हमें जंगलों से लकड़ी, कागज, गोंद, फल और औषधियां मिलती हैं, जिन्हें बेचकर बड़ी संख्या में लोग अपना जीवनयापन करते हैं। जंगल का ईकोसिस्टम, जीव जंतु मिट्टी को उपजाऊ बनाए रखता है और वर्षा लाने में मदद करता है, जिससे हमारी खेती अच्छी होती है। इससे खाद्य पदार्थों की आपूर्ति तो होती ही है, कृषि अर्थव्यवस्था को भी बल मिलता है।

हम सभी के लिए आवश्यक: जंगल में लगे घने पेड़-पौधों का संजाल बाढ़ और सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं से हमारी रक्षा करता है। अनगिनत पशु-पक्षी और कीड़े-मकोड़े जंगलों में ही रहते हैं। ये पशु-पक्षी, पृथ्वी और मानव समाज के लिए बेहद जरूरी और उपयोगी हैं। पेड़ धरती को ठंडा रखने में मदद करते हैं और ग्लोबल वार्मिंग को कम करते हैं।

हम समझें अपना दायित्व: हम सभी की लापरवाही और स्वार्थी स्वभाव के कारण विकास के नाम पर विनाश हो रहा है और जंगलों की बेतहाशा कटाई हो रही है। यह स्थिति हमारी पृथ्वी के लिए खतरनाक है। ऐसे में हम सभी छोटे-छोटे प्रयासों से भी जंगलों को बचाने में मदद कर सकते हैं। जैसे- आपको पता है कि कागज पेड़ों से बनता है, इसलिए इसे बर्बाद न करें। हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने का प्रयास करना चाहिए। अपने जन्मदिन या किसी खास मौके पर कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं। बच्चों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करें। वन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने मित्र, रिश्तेदारों और परिचितों को जागरूक करें। उन्हें बताएं कि जंगल हमारे लिए कितने कीमती हैं। याद रखिए, जब जंगल सुरक्षित रहेंगे, तभी हमारा भविष्य भी सुरक्षित और समृद्ध रहेगा। *

पर्यटन स्थल / समीर चौधरी

आपको रोमांच से भर देगा रिवर्स वाटरफॉल का नजारा

किसी पहाड़ की ऊंचाई से गिरता हुआ झरना बहुत ही मनोरम लगता है। लेकिन अगर आप उल्टे झरने का नजारा देखना चाहते हैं तो मानसून के दौरान महाराष्ट्र के कुछ खास स्थलों की यात्रा कर सकते हैं।

आपने पहाड़ों की ऊंचाई से गिरने वाला वाटरफॉल यानी झरना तो जरूर देखा होगा। लेकिन क्या आपने रिवर्स वाटरफॉल यानी झरने का पानी नीचे की बजाय ऊपर की तरफ जाते हुए देखा है? अगर नहीं तो मानसून के दौरान महाराष्ट्र के कुछ खास स्थलों की यात्रा कर सकते हैं। यहां आपको मंत्रमुग्ध करने वाला नजारा दिख जाएगा।

होता है अनोखा एहसास: रिवर्स झरना एक ऐसा नजारा है, जिसे देखकर लगता है कि एक नई दुनिया आपके सामने खुल गई है। महाराष्ट्र में रिवर्स वाटरफॉल की यह प्राकृतिक घटना, पर्यटकों को आश्चर्य में डाल देती है। इसमें पानी नीचे नहीं गिरता है बल्कि वापस उल्टा हवा में उड़ता है। पानी नीचे गिरने की बजाय हवा के बल से वापस आसमान की तरफ जाने लगता है, धुंध की तरह बिखरता हुआ। एक सामान्य झरना ऐसे दृश्य में बदल जाता है, जो तीव्र, अविश्वसनीय और लगभग जादुई-सा प्रतीत होती है। ऊपर की तरफ का यह नेचुरल स्प्रे, सिनेमाई नजारा उत्पन्न करता है और ऐसा प्रतीत होता है, जैसे प्रकृति गुरुत्वाकर्षण के नियमों को बदल रही है। इस अद्भुत नजारे के दीदार के साथ-साथ आस-पास की सुंदर जगहों की सैर और स्थानीय भोजन का स्वाद आपकी यात्रा को और यादगार बना देगा।

कुछ दिनों तक दिखता है: रिवर्स वाटरफॉल का यह अनोखा नजारा मानसून के कुछ खास दिनों में ही देखने को मिलता है, जब हवाएं शक्तिशाली होती हैं और पानी को नीचे की बजाय ऊपर की तरफ धकेलती हैं। यह रिवर्स वाटरफॉल अमूमन जून से अगस्त के बीच में देखने को मिलते हैं, जब मानसून की हवाएं सबसे शक्तिशाली होती हैं। अब आपको चार ऐसी जगहों के बारे में बताते हैं, जहां इस प्राकृतिक नजारे का अनुभव किया जा सकता है।

पश्चिमी घाट में स्थित नानेघाट: नानेघाट पास (नानेघाट दर्रा), जुन्नार के निकट पश्चिमी घाटों में स्थित है और मानसून के दिनों में रिवर्स वाटर फॉल का अदभुत नजारा प्रस्तुत करता है। नानेघाट से निकटतम रेलवे स्टेशन कल्याण जंक्शन है, जहां से आप टैक्सी या बस से जुन्नार जा सकते हैं और फिर नानेघाट की तरफ बढ़ सकते हैं। अगर सड़क की बात करें तो अनेक मार्गों से यह बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पुणे से आप बस या कैब से जुन्नार पहुंच सकते हैं। यह दूरी लगभग 95 किमी. है। मुंबई से जाना चाहते हैं तो मुंबई-नासिक हाईवे (एनएच-3) या मुंबई-आगरा हाईवे (एनएच-61) पर सफर किया जा सकता है।

सघन घाटी में स्थित समराद गांव: गजब की सघन घाटी में समुद्र की सतह से 2000 फीट की ऊंचाई पर स्थित समराद गांव भी मानसून में उल्टे

झरने का ऐसा अनुभव कराता है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। इस गांव तक पहुंचने के लिए आप मुंबई या पुणे से सड़क मार्ग का उपयोग कर सकते हैं। दोनों जगहों से यह लगभग चार से पांच घंटे की ड्राइव के फासले पर है। पूरी सड़क यात्रा के दौरान भी सुंदर नजारों वाले दृश्य आप देख सकते हैं।

हरी-भरी पहाड़ियों में स्थित कवलशेत पॉइंट: कवलशेत पॉइंट, अंबोली की हरी-भरी पहाड़ियों में स्थित है, जो गहरी वादियों और अनेक छोटे-छोटे झरनों से घिरा हुआ है। यह पॉइंट मानसून के दौरान विशेष रूप से जादुई बन जाता है, जब तेज हवाएं नीचे गिरते पानी को ऊपर उठाने लगती हैं। कवलशेत पॉइंट पहुंचने के लिए मुंबई-गोवा हाईवे पर सावंत वादी की तरफ यात्रा करें। वहां से अंबोली की तरफ चलना होगा, जोकि लगभग 30 किमी. की दूरी पर स्थित है। अंबोली टाउन से कवलशेत पॉइंट पास में ही है।

हनुमान जी की जन्मस्थली अंजनेरी: नासिक से मात्र 20 किमी. की दूरी पर स्थित अंजनेरी में भी रिवर्स वाटरफॉल का शानदार नजारा देखने को मिलता है। अंजनेरी का बहुत अधिक धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व भी है क्योंकि मान्यता है कि यह भगवान श्री हनुमान जी की जन्मस्थली है और इस जगह का नाम उनकी मां अंजनी के नाम पर पड़ा है।

अंजनेरी पहुंचने के लिए यहां से निकटतम रेलवे स्टेशन नासिक है, जहां से इस गांव के लिए टैक्सी ले सकते हैं। अगर सड़क से जाना है तो कैब या बस से नासिक रोड से त्र्यंबकेश्वर की तरफ चलें और फिर त्र्यंबकेश्वर-अंजनेरी सड़क पर यात्रा करनी होगी। *

इन बातों का रखें ध्यान

अगर कुछ महीने बाद आने वाले मानसून के दौरान आप रिवर्स वाटरफॉल देखने प्लानिंग बना रहे हैं तो कुछ बातों का अवश्य ध्यान रखें-

- उचित प्रकार के जूते-कपड़े लेकर जाएं क्योंकि मानसून में यहां के रास्ते फिसलन भरे हो सकते हैं।
- निर्धारित रूट पर ही यात्रा करें। जाने से पूर्व मौसम की जानकारी हासिल कर लें।
- अपने साथ पीने का पानी, सूखे स्नैक्स और बेसिक फर्स्ट एड किट रखें।
- स्थानीय गाइड की मदद ले सकते हैं। वे सही जानकारी देंगे और सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करेंगे।